तापमान
अधिकतम 23 .5 डिग्री
न्यूनतम 9 .8 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 9 फरवरी 2025

12 दिल्ली में भाजपा की जीत पर खूब थिरके कार्यकर्ता

12 कौशल के लिए नई आधुनिक शैली से शिक्षकों को किया दक्ष

खबर संक्षेप

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से एक की मौत

पानीपत। जीटी रोड पर बेटे साथ रोड क्रॉस कर रहे पिता को एक तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की मदद से घायल को सिविल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। विशाल ने बताया कि वह गांव मलिकपुर, घरौंडा जिला करनाल का रहने वाला है। वह पेशे से ड्राइवर है। 7 फ रवरी की रात करीब 9 बजे वह सागर ढाबे पर खाना खाने के लिए रोड क्रॉस कर रहा था। उसके साथ पिता मंदीप भी था। इसी दौरान दिल्ली की ओर से एक बाइक चालक आया। जिसने सीधी टक्कर उसके पिता को मारी टक्कर लगते ही पिता सडक़ पर गिरने से गहरी चोट लग गई। वहीं सिविल अस्पताल में डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मां-बेटे को बेहोश कर सोने की चेन ले गए

करनाल। बुढनपुर आबाद में दो ठग एक घर में पंडित के भेष में घुस गए और घर में मां बेटे को बेहोश कर दिया और महिला के गले से ढाई तोले सोने की चेन लेकर भाग गए। सदर थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी कैमरे में आरोपी कैद हो चुके हैं।

शिकायत में बुढनपुर आबाद निवासी सुरेंद्र ने बताया कि सात फरवरी को साढ़े 12 बजे दो पंडित उसके घर आए। उन्होंने भिक्षा मांगी तो उन्हें भिक्षा दे दी। इसके बाद वह चाय मांगने लगे तो उन्हें चाय भी पिला दी। इसके बाद उन्होंने पानी का गिलास मांगा। फिर उसी पानी का छिड़काव उनके उपर कर दिया। घर में वह और उसकी माता थी। इसके बाद उन्हें कुछ पता नहीं चला।

तरावड़ी के चावल एक्सपोर्टर्स व चावल व्यापारी दुबई पहुंचेंगे

दुबई गल्फ फूड मेले में तरावड़ी के चावलों की महक बिखरेगी

- 17 से 21 फरवरी तक आयोजित होगा दुबई में गल्फ फूड मेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

हर साल की तरह इस साल भी दुबई में आयोजित होने वाले गल्फ फूड मेले में फिर से तरावड़ी के चावलों की महक बिखेरगी। इसके लिए तरावड़ी शहर के चावल एक्सपोर्टर्स व चावल व्यापारी दुबई पहुंचेगें। वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर दुबई में सोमवार 17 फरवरी से 21 फरवरी तक आयोजित होने वाले गल्फ फूड मेले में तरावड़ी के अधिकतर चावल व्यापारी स्टॉल लगाऐंगे।

काबिलेगौर है कि दुनिया के कई देशों के लोगों को तरावड़ी के बासमती चावलों की सुगंध खूब भाती है। जिसका अंदाजा दुबई में लगे गल्फ फूड मेले में देखने को मिलता है। विदेशों से पहुंचने वाले लोग अक्सर हरियाणा के तरावड़ी शहर में तैयार हुए चावलों को खूब पसंद करते हैं। यह मेला दुबई में सोमवार 17 फरवरी से शुरू होगा और 21 फरवरी तक इसमें तरावड़ी के चावल एक्सपोर्टर व व्यापारी स्टॉल लगाऐंगे। शहर के चावल व्यापारियों का कहना है कि ऐतिहासिक शहर तरावड़ी के चावलों की महक कई देशों की थाली में बिखरती है। तरावड़ी शहर बासमती चावलों की नगरी के नाम से मशहूर है, जिसमें विश्व भर में पहचान भी बनाई हुई है। गोयल इंटरनैशनल प्रा.लि. के सी.एम.डी. विजय गोयल, डबल चाबी बासमती राईस के सी.एम.डी. बृजभूषण गोयल, शिव शक्ति इंटर ग्लोब प्रा.लि. के सी.एम.डी. अमन गुप्ता ने कहा कि दुबई में गल्फ फूड मेले में तरावड़ी के चावलों के स्टॉल खूब विदेशी मेहमानों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे। तरावड़ी के चावल उद्योगपत्तियो द्वारा तैयार किया गया चावल अरब देशों में निर्यात होता है। तरावड़ी शहर के लगभग सभी राइस मिलों में आधुनिक मशीनें लगी हुई है, जिससे तैयार होकर चावल विदेशों में बिकने के लिए जाता है। राईस मिलर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश बंसल, एस.एस. राईस यूनिट के सी.एम.डी. राकेश हंस एवं 521 फूड प्रोडक्ट तरावड़ी के सी.एम.डी. पंकज गोयल ने बताया कि जब हरियाणा की बात आती है तो जिले करनाल के तरावड़ी के चावल को अधिक पसंद किया जाता है। उन्होंने बताया कि इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारतीय चावल विशेषकर बासमती को गल्फ देशों में काफी पसंद किया जाता है। दुबई में हर साल लगने वाले गल्फ फूड मेले की भी तरावड़ी के चावलों के लगे स्टॉलों की खास भूमिका होती है। इसमें हरियाणा के करनाल जिले के तरावड़ी के चावल निर्यातकों की संख्या अच्छी खासी रहती है, जो अपने स्टालों पर बासमती बिरयानी का स्वाद विदेशी मेहमानों को चखाते हैं। गौरतलब है कि जिले में सर्वाधिक बासमती चावल का निर्यात तरावड़ी से ही होता है। विदेशों में भी तरावड़ी वाली बासमती की विशेष मांग रही है। उद्योगपत्ति विनोद गोयल, बृजभूषण गोयल, अमन गुप्ता, प्रवीण गर्ग, नरेश बंसल, राकेश हंस एवं पंकज गोयल, राजीव नारंग ने बताया कि दुबई के आयोजित होने वाले गल्फ फूड मेले से दुनिया के कई देशों में तरावड़ी के चावलों की सुगंध बिखरती हैं। हर वर्ष दुबई में बड़ा बाजार लगता है, जिसमें पूरे विश्व के फूड प्रोडक्ट निर्माताओं को अपने-अपने सामान के स्टॉल लगाने का अवसर मिलता है।

तरावड़ी के चावल सर्वाधिक पसंद

बी.डी. ओवरसीस तरावड़ी के सी.एम.डी. प्रवीण गर्ग, जी.वी. राईस एक्सपोर्ट प्रा. लि. के सी.एम.डी. विनित बंसल एवं भारत इंडस्ट्रीयल प्रा. लि. के सी.एम.डी. नाथीराम गुप्ता, जानकी दास राईस मिल के दविन्द्र सिंगला ने बताया कि दुबई देश हर वर्ष पूरे विश्व के उन सभी व्यापारियों को अपने स्टाल लगाने के लिए आमंत्रित करता है जो खाद्य वस्तुओं से जुड़ी सामग्री तैयार करते हैं। चावलों को आर्कषण पैकिंग व सुंदरता के साथ वहां रखा जाता है ताकि विदेशों से आने वाला व्यापारी इस शहर की आधुनिक मशीनों से तैयार किए गए चावल को पसंद कर सके। दुबई में जितने भी चावलों के स्टाल लगते हैं उनमें हरियाणा के चावल को अधिक पसंद किया जाता है, जिसमें सबसे ज्यादा तरावड़ी के चावल शामिल हैं।

असला सप्लायर को राणा माजरा गांव के अड्डे से किया गिरफ्तार

- पहले से गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ पर पकड़ा सप्लायर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

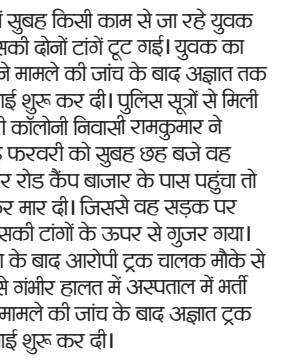

पानीपत। गिरफ्तार असला सप्लायर पुलिस टीम के साथ।

पानीपत सीआईए श्री पुलिस टीम ने अवैध असला सप्लाई करने वाले आरोपी को राणा माजरा गांव के अड्डा से गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान परवेज निवासी राणा माजरा के रूप में हुई। सीआईए श्री प्रभारी इंस्पेक्टर विजय ने बताया कि उनकी टीम ने बीती 31 जनवरी को सनौली रोड झांबा मोड़ पर आरोपी सादिक उर्फ गांधी निवासी खानपुर गुर्जर सहारनपुर यूपी को दो अवैध देसी पिस्तौल व दो जिंदा रौंद समेत गिरफ्तार किया था। आरोपी सादिक उर्फ गांधी ने उक्त देसी पिस्तौल व जिंदा रौंद राणा माजरा निवासी परवेज से 15 हजार में खरीदकर लाने बारे स्वीकारा था। थाना सनौली में आम्र्स एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर पुलिस ने आरोपी सादिक उर्फ गांधी को पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया था और असला सप्लायर परवेज की धरपकड़ के प्रयास शुरू कर दिए थे। प्रभारी इंस्पेक्टर विजय ने बताया की सीआईए श्री पुलिस टीम ने आरोपी परवेज को शुक्रवार देर शाम राणा माजरा गांव के अड्डा से गिरफ्तार किया।

आरोपी परवेज ने आरोपी सादिक उर्फ गांधी को दो देसी पिस्तौल व दो जिंदा बेचने बारे स्वीकारा। आरोपी परवेज ने पूछताछ में पुलिस को बताया वह उक्त देसी पिस्तौल व जिंदा रौंद जनवरी महीने में रूडक़ी हरिद्वार में मिले रिजवान नाम के युवक से 10 हजार रूपए में खरीदकर लाया था। वह रिजवान का पता नही जानता। पुलिस ने शनिवार को पूछताछ के बाद आरोपी परवेज को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया।

सड़क हादसों में बाइक सवार दो लोगों की मौत

करनाल। जिले में अलग अलग सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। दोनों ही बाइक पर सवार थे। पहले मामले में सेक्टर 6 निवासी नरेश कुमार ने बताया कि 8 फरवरी की रात करीब एक बजे उसका भतीजा मनन मेहता बाइक पर सवार होकर अमृतधारा अस्पताल से होकर सेक्टर 13 के रास्ते से अपने घर सेक्टर 6 में आ रहा था।

जब वह सेक्टर 6 बाईपास को पार कर रहा था तो एक अज्ञात वाहन ने निर्मल कुटिया चौक से सर्विस लाइन पर देवीलाल चौक की तरफ जा रहा था। इस दौरान उस वाहन चालक ने मनन को टक्कर मार दी। जिससे मनन गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने उसे अस्पताल में दाखिल कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दूसरे मामले में रसुलपुर कलां गांव निवासी संजय कुमार ने बताया कि सात फरवरी को शाम साढ़े सात बजे गांव चुंडीपुर रोड पर रोजाना की तरह खाना खाकर वह सैर कर रहा था। तो कुछ दूरी पर उसका भाई राजेंद्र बाइक पर सवार होकर चुंडीपुर आ रहा था। इस दौरान सामने से आ रहे ट्रैक्टर ट्राली चालक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट लगी है। ट्रैक्टर ट्राली चालक मौके से भाग गया। ट्रैक्टर ट्राली को मौके पर ही छोड़ गया। जब वह घायल भाई को अस्पताल लेकर गए तो वहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

शादी में गहनों से भरा बैग लेकर युवक फरार

करनाल। कैथल रोड स्थित होटल में शादी समारोह के दौरान गहनों से भरा बैग चोरी हो गया। बैग को नाबालिग सहित दो युवक चोरी कर ले गए। सीसीटीवी कैमरे में दो युवक बैग को चोरी करते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। शिकायत में कैथल के सजुमा गांव निवासी अजय ने बताया कि 6 फरवरी को उसकी बेटी की शादी थी। शादी का कार्यक्रम करनाल में कैथल रोड स्थित राज घराना होटल में था। शादी समारोह में स्टेज पर जयमाला का कार्यक्रम हो रहा था तो स्टेज के ऊपर से उनका गहनों से भरा बैग चोरी हो गया। बैग में साढ़े नौ तोला सोने के गहने थे और आधा किलोग्राम चांदी के गहने थे जो करीब आठ लाख रुपये के थे। जब उन्होंने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी तो पता चला चोरी करने वाले दो लड़के थे। गहनों से भरा बैग उठाकर भागने वाले लड़के की उम्र करीब 16 वर्ष है और रेकी करने वाले लड़के की उम्र करीब 23 साल है।

ट्रक की टक्कर से युवक की टांगें टूटी

यमुनानगर। शहर के रादौर रोड कैंप में सुबह किसी काम से जा रहे युवक पर चालक ने ट्रक चढ़ा दिया। जिससे उसकी दोनों टांगें टूट गई। युवक का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात तक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शहर की मायापुरी कॉलोनी निवासी रामकुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि छह फरवरी को सुबह छह बजे वह किसी काम से जा रहा था। जब वह रादौर रोड कैंप बाजार के पास पहुंचा तो तेज गति से आ रहे ट्रक ने उसकी टक्कर मार दी। जिससे वह सड़क पर गिर गया। इसके बाद ट्रक का पहिया उसकी टांगों के ऊपर से गुजर गया। जिससे उसकी दोनों टांगें टूट गई। घटना के बाद आरोपी ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया । पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच के बाद अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

NATIONAL PUBLIC SCHOOL

(Affiliated to C.B.S.E. New Delhi) (10+2)

DELHI ROAD, YAMUNA NAGAR - 135 001 (HARYANA) • Website: www.nationalschool.edu.in

WORLD CLASS INFRASTRUCTURE

2025-26 ADMISSION OPEN

NURSERY TO XII

•MEDICAL •NON-MEDICAL •COMMERCE •HUMANITIES

SALIENT FEATURES : • Smart Class • Skating Rink • Rich Alumni Base • Music Room • Dispensary • Sports • Dance Room • Computer Labs • Science Labs • Transport Facilities • Well Stocked Library • Maths & English Lab • Shooting Range • Clean & Green Play Ground • Yoga & Meditation • Self Defence Classes • Co-curricular Activities • Co-educational English Medium • Air Conditioned Pre Primary Wing • Plethora of Activities For Kids' Zone • Qualified & Dedicated Staff • Interactive And Activity Based Learning

Digital Classrooms

Chess

Cultural Activities

Self Defence Classes

NPS was awarded by Hon'ble Cabinet Minister (PWD), Govt. of Haryana Sh. Ranbir Singh Gangwa in the esteemed presence of Deputy Commissioner & SP Yamuna Nagar.

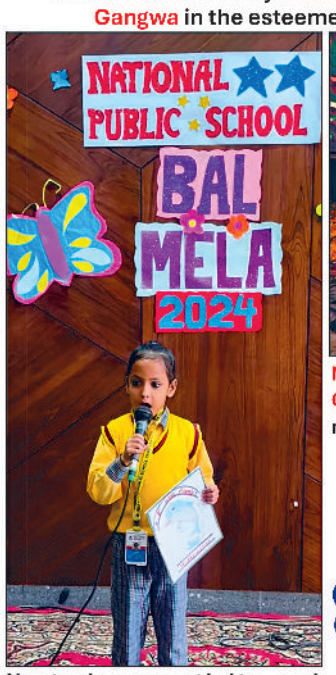

Nurturing creativity and imagination at the "Bal Mela" organized by National Kids' Zone

NPS Chairman Sh. R.S. Pundir and Hon'ble Aditi Singh IRS, Joint Commissioner (Income Tax), Chandigarh presented Brand new laptop to meritorious Student Satakshi.

Hurry Up Limited Seats

Register Now

Scan this QR Code for Registration

NPS Chairman Sh. R.S Pundir awarded students a cash prize of ₹1,00,000/- for excellent performance in the school's National Junior IAS/ Doctor/Engineer exams.

SHAPING YOUNG MINDS

93552 00001, 93552 25726

प्रदर्शनकारियों ने हरियाणा कृषि मंत्री को सौंपा ज्ञापन

सर्व कर्मचारी संघ ने मांगे पूरी नहीं किए जाने के विरोध में किया प्रदर्शन

यमुनानगर। रादौर की अनाज मंडी में सर्व कर्मचारी संघ के सदस्यों को प्रदर्शन के दौरान संबोधित करते हुए कर्मचारी नेता। *फोटो: हरिभूमि*

प्रदर्शनकारियों ने सरकार से की उनकी मांगे तुरंत पूरी किए जाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭रादौर

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला इकाई के सदस्यों ने नियमित व अनियमित कर्मचारियों की मांगो को लेकर रादौर अनाज मंडी में पहुंचकर प्रदर्शन किया। इसके बाद प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए रादौर स्थित हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा के निवास पर पहुंचे और उनके नाम वहां मौजूद उनके बेटे नेपाल सिंह को ज्ञापन सौंपकर कर्मचारियों की मांगे पूरी किए जाने की मांग की। मौके पर प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। शनिवार सुबह सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला इकाई के सैंकड़ो सदस्य जिला प्रधान महीपाल सौदे के नेतृत्व में रादौर की अनाज मंडी में एकत्र हो गए और प्रदर्शन करने लगे। इसके बाद प्रदर्शनकारी प्रदर्शन करते हुए व सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कस्बा स्थित हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के निवास स्थान पर पहुंचे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कृषि मंत्री के नाम उनके निवास स्थान पर मौजूद उनके बेटे नेपाल सिंह राणा को ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने सरकार से नियमित व सभी अनियमित कर्मचारियों नियमित करने,पुरानी पैंशन बहाल करने, 50 से 55 की उम्र व 25 साल की सेवा उपरांत सेवानिवृत्त का पत्र वापस लेने, हरियाणा का अलग से वेतन आयोग बनाने,पिछले वेतन आयोग में रह गई विसंगतियों को ठीक किए जाने, कर्मचारियों को 5000 रुपये प्रतिमाह अंतरिम राहत देने,कच्चे कर्मचारियों का पिछले 5 साल से रुके हुए वेतन में बढ़ोतरी किए जाने, पेंशनर्स को 65, 70,75 व 80 की आयु पर पांत प्रतिशत की वृद्धि किए जाने, कम्युटेशन राशि वापिस लेने की अवधि 10 वर्ष करने व अन्य मांगो को जल्द पूरा किए जाने की मांग की।

समाधान करवाए जाने का भरोसा

मौके पर कृषि मंत्री के पुत्र नेपाल सिंह राणा ने सर्व कर्मचारी संघ के सदस्यों को उनकी मांगो के बारे में कृषि मंत्री और सरकार को अवगत करवाकर उनका समाधान करवाए जाने का भरोसा दिया है। इस अवसर पर रिटायर्ड संघ से ब्लॉक प्रधान रमेश चंद्र, दिनेश तंवर ,गुलशन भारद्वाज, सतीश कुमार, सरबती,जोत सिंह, सोमनाथ आदि मौजूद रहे।

दिल्ली में प्रचंड जीत मिलने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल की थाप पर नाचकर मनाया जश्न

- भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे का मुंह मीठा करवाकर दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर/रादौर

यमुनानगर। कार्यकर्ता एक दूसरे का मुंह मीठा करवाकर खुशियां मनाते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

दिल्ली विधानसभा के चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलने पर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिले विभिन्न स्थानों पर ढ़ोल की थाप पर नाचकर व एक दूसरे का मुंह मीठा करवाकर जश्न मनाया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिल्ली विधानसभा में भाजपा की जीत को लोकतंत्र की जीत बताया। शनिवार सुबह से ही भाजपा कार्यकर्ता अपने अपने घरों में टीवी के समक्ष बैठकर नतीजों का इतंजार करने लगे थे। जैसे ही मतगणना शुरु हुई भाजपा की जीत सुनिश्चित होने लगी तो भाजपा कार्यकर्ता घरों से बाहर निकल पड़े और जश्न मनाने लगे। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी के जिला कार्यालय, जगाधरी में पूर्व कृषि मंत्री कंवरपाल के निवास स्थान, साढ़ौरा में पूर्व विधायक बलवंत सिंह, यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा के कार्यालय समेत रादौर, साढ़ौरा, बिलासपुर, प्रतापनगर समेत विभिन्न स्थानों पर एकत्र होकर खूब जश्न मनाया। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत विश्व में अग्रणीय स्थान पर अपना स्थान दर्ज करवा रहा है। इसी कड़ी में दिल्ली की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को सम्मान देते हुए दिल्ली विधानसभा में पार्टी को प्रचंड जीत दिलाकर लोकतंत्र का मान रखा है। वहीं, जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने भी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। पूर्व कृषि मंत्री कंवरपाल ने कार्यकर्ताओं का मुंह मीठा करवाकर बधाई दी। इसी तरह हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के निवास स्थान रादौर में भी कार्यकर्ताओं का मुंह मीठा करवाकर बधाई दी गई।

लक्खा सिंह खेड़ी में मनाया जश्न

रादौर के खेड़ी लक्खा सिंह में भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष हैप्पी खेडी के नेतृत्व में दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा पार्टी की प्रचंड जीत पर कार्यकर्ताओं ने लड्डू बांटकर खुशियां मनाई। इस दौरान पूर्व विधायक ईश्वर सिंह पलाका व पूर्व मंडल अध्यक्ष हैप्पी खेडी ने कहा कि भाजपा पार्टी ने दिल्ली में शानदार प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया है कि भाजपा पार्टी व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता जनता के दिलो में है। हरियाणा, महाराष्ट्र के बाद अब दिल्ली में प्रचंड जीत मिलने पर हर कार्यकर्ता में खुशी की लहर है। भाजपा के मेहनती व ईमानदार कार्यकर्ताओं ने पार्टी की जीत में अहम भूमिका अदा की है। जिस कारण दिल्ली जीत संभव हो सकी है। भाजपा पार्टी एक के बाद एक विधानसभा में अपना झंडा फहरा रही है। वहीं, विपक्षी पार्टियों को हार का ही सामना करना पड़ रहा है।

भाजपा को दिल्ली में मिली जीत पर मंधार में कार्यकर्ताओं ने जताई खुशी

रादौर। दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा पार्टी की प्रचंड जीत पर गांव मंधार में कार्यकर्ताओं द्वारा जश्न मनाया गया। इस दौरान गुरूकुल कुरूक्षेत्र के वाइस चेयरमैन एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता मास्टर सतपाल कांबोज के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे का मुंह मीठा करवाकर बधाई दी। भाजपा नेता मास्टर सतपाल कांबोज ने कहा कि भाजपा पार्टी ने हरियाणा के बाद महाराष्ट्र और अब दिल्ली में प्रचंड जीत दर्ज की है। दिल्ली में भाजपा पार्टी की प्रचंड जीत पार्टी की लोकप्रियता के बारे में दर्शाती है। जनता ने दिल्ली में भाजपा की कल्याणकारी नीतियों व योजनाओं पर मुहर लगाने का काम किया है। भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियां जनता की समझ में आ रही हं। पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन कर रही है। दिल्ली जीत केवल पार्टी की जीत नहीं है। यह जीत पार्टी के हर उस कार्यकर्ता को समर्पित है। जिसने पार्टी की जीत में अहम भूमिका अदा की है। इस अवसर पर अमित कांबोज, संदीप सैनी रादौर, रिंकू बुबका, राजीव आर्य सन्नी व प्रवेश कांबोज अलाहर आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

रक्तदान शिविर का आयोजन 23 को

रादौर। रोटरी क्लब रादौर के तत्वावधान में 23 फरवरी को शांतिदेवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। रक्तदान शिविर में क्षेत्र के काफी संख्या में रक्तदाता अपना रक्तदान कर पुण्य के भागीदार बनेंगे। क्लब के प्रधान निर्मल सिंह ने बताया कि संस्था की ओर से रोटेरियन भूपेंद्र राणा के पिता स्वर्गीय योगराज सिंह राणा व रोटेरियन विजय आढ़ती के पिता स्वर्गीय सोमनाथ की याद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसे लेकर युवावर्ग व अन्य लोगों से शिविर में अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने के लिए जनसंपर्क किया जा रहा है।

पंचायती भूमि से पॉपुलर के पेड़ चोरी

यमुनानगर। छछरौली थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर में पंचायती भूमि पर खड़े पॉपुलर के 10 पेड़ चोरी हो गए। पेड़ चोरी करने का आरोप गांव के ही मोहम्मद पर लगा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार छछरौली के बीडीपीओ सचेत मित्तल ने बताया कि गांव दौलतपुर की पंचायती भूमि पर पॉपुलर के पेड लगे हुए हैं। उसे सूचना मिली थी कि किसी व्यक्ति ने पंचायती भूमि पर खड़े पॉपुलर के पेड़ काटकर चोरी कर लिए हैं। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचा। जांच के दौरान पंचायती भूमि पर खड़े पॉपुलर के 10 पेड़ कटे मिले।

घर का ताला तोड़कर चुराई नकदी व आभूषण

यमुनानगर। जगाधरी की वीर नगर कॉलोनी में चोरों ने सूने घर का ताला तोड़कर सात हजार रुपए की नकदी समेत लाखों रुपये के सोने व चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। घटना के समय परिवार के सदस्य किसी काम से बाहर गए थे। जब वापस लौटे तो चोरी का पता चला। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जगाधरी की वीर नगर कॉलोनी निवासी सुशील ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पांच फरवरी को दोपहर ढाई बजे घर का ताला लगाकर किसी काम से बाहर गया था। जब रात को वह वापस लौटे तो घर का लगा ताला टूटा हुआ तो और अंदर सामान बिखरा पड़ा था।

विद्यार्थियों को कंप्यूटर हार्डवेयर का ज्ञान होना आवश्यक

- महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय जगाधरी में कंप्यूटर हार्डवेयर वर्कशॉप का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

यमुनानगर। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में आयोजित वर्कशॉप में कंप्यूटर हार्डवेयर की जानकारी देते हुए विशेषज्ञ।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय जगाधरी में शनिवार को कंप्यूटर विभाग के तत्वावधान में कंप्यूटर हार्डवेयर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रुप में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. करुणा ने भाग लिया। जबकि अध्यक्षता कंप्यूटर विभाग के अध्यक्ष प्रो. रणदीप सिंह ने की। मुख्यातिथि एवं महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. करुणा ने विद्यार्थियों को समझाया कि वर्तमान युग तकनीकी युग है। आज हर क्षेत्र में कंप्यूटर का प्रयोग हो रहा है। इसलिए आज विद्यार्थियों को कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के साथ कंप्यूटर हार्डवेयर का भी ज्ञान होना चाहिए। ताकि कंप्यूटर हार्डवेयर में आई बाधाओं का निवारण सरलता से कर सकें। आज कंप्यूटर ज्ञान के बिना मनुष्य जीवन अधूरा है। मौके पर कंप्यूटर विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर रणदीप ने बताया कि कंप्यूटर हार्डवेयर के बिना सिस्टम कोई कार्य नहीं कर सकता है और कोई भी सॉफ्टवेयर रन नहीं हो सकता है। वहीं, प्रो. ललित कुमार ने विद्यार्थियों को कंप्यूटर हार्डवेयर की प्रणाली से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कंप्यूटर हार्डवेयर में मदरबोर्ड, प्रोसेसर, रेम, हार्ड डिस्क, मॉनिटर, इंटरनेट कार्ड, केबल्स व पावर सप्लाई आदि पार्ट्स होते हैं जो की सीपीयू के साथ असेंबल किए जाते हैं । जिसकी मदद से यूजर अपना कार्य सरलता से कर सकता है। वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को यह अवगत कराना था कि कंप्यूटर हार्डवेयर में आई तकनीकी खराबी को कैसे सरलता से ठीक किया जा सकता है। वर्कशॉप में बीसीए और बीकॉम तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान कंप्यूटर विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को कंप्यूटर हार्डवेयर की प्रणाली को विस्तार से समझाया।

ज्ञान प्राप्ति के लिए किसी भी शिक्षण संस्थान में खुशहाल वातावरण का होना बेहद जरुरी: डॉ. नारंग

यमुनानगर। नेशनल पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते हुए शिक्षक।

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

शहर के दिल्ली मार्ग स्थित नेशनल पब्लिक स्कूल यमुनानगर में शनिवार को सीबीएसई के तत्वावधान में हैप्पी टीचर हैप्पी क्लासरूम विषय पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्कूल के सभी शिक्षक वर्ग ने भाग लिया। कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन ऑक्सफोर्ट से डॉ. रितु नारंग ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्रबंधक आरएस पुंडीर व प्रधानाचार्या मनीषा गौतम और डॉ. आरना सिंह ने दीप प्रज्जवलित करके किया। कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन डॉ. रितु नारंग ने शिक्षकों को क्लासरूम के गुर सिखाए। उन्होंने कहा कि ज्ञान प्राप्ति के लिए किसी भी शिक्षण संस्था में खुशहाल वातावरण का होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अध्यापक का दर्पण होते हैं। अध्यापक को प्रतिदिन एक नई चुनौती से गुजरना पड़ता है। इसलिए शिक्षक को भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आत्म नियमन के माध्यम से एक खुशहाल कक्षा का माहौल बनाने के तरीकों पर निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। डॉ. डॉ. रितु नारंग ने कहा कि अच्छे कक्षा प्रबंधन के माध्यम से एक अनुशासित और खुशहाल कक्षा, विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए अति आवश्यक है।

पर्याप्त बारिश नहीं होने से किसानों ने जताई गेहूं की पैदावार कम होने की आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

खेत में खड़ी हुई गेहूं की फसल।

सर्दी के मौसम में इस बार पर्याप्त बारिश नहीं होने से गेहूं की पैदावार को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई हैं। किसानों का कहना है कि अबकी बार सर्दी के मौसम में पर्याप्त बारिश नहीं हुई है। जिसकी वजह से अगेती व पछेती गेहूं की फसल में अपेक्षा के अनुरूप ग्रोथ नहीं हो सकी है। उन्हें आशंका है कि इस बार गेहूं की पैदावार कम होने से उन्हें आर्थिक नुक्सान झेलना पड़ सकता है। किसान सोहन सिंह, गुरप्रीत सिंह, पवन कुमार, विक्रांत सिंह, राजबीर सिंह व विरेंद्र आदि का कहना है कि किसानों को जहां फसलों के लागत के अनुरूप दाम नहीं मिल रहे हैं। वहीं, मौसम भी उनके साथ बेरूखी करने लगा है। इसका उदाहरण यह है कि इस बार सर्दी के मौसम में एक बार भी तेज बारिश नहीं हुई है। वहीं, मौसम में भी अपेक्षा के मुताबिक ठंड नहीं रही है। जिसकी वजह से गेहूं की फसल में ग्रोथ नहीं हो पा रही है। जिससे गेहूं की पैदावार कम होने की आशंका बन गई है। किसान जयबीर सिंह, सुखदेव सिंह व सतीश आदि का कहना है कि पिछले कई दिन से मौसम में तापमान भी बढ़ने लगा है। इस समय अगेती गेहूं में बालियों का निसराव चल रहा है। वहीं, पछेती किस्म की गेहूं की फसल में ग्रोथ बनने का समय है। मगर ऐसे में मौसम में तापमान का बढ़ना अगेती व पछेती किस्म की गेहूं की फसल के लिए नुक्सानदायक है। उनका कहना है कि यदि इसी तरह तापमान में वृद्धि होती रही तो गेहूं की फसल की पैदावार कम होने की आशंका है।

शौचालय के मेनहॉल में गिरा पशु, मौत

- बकरा के मालिक ने बकरा की मौत से हुए नुक्सान की भरपाई के लिए मांगा 15 हजार रुपये का मुआवजा

हरिभूमि न्यूज ⏭रादौर

यमुनानगर। रादौर में नपा द्वारा बनाए गए सार्वजनिक शौचालय के खुले पड़े मेनहॉल के गड्ढे को दिखाता हुआ पशुपालक सोनुपाल। *फोटो: हरिभूमि*

नगर पालिका रादौर द्वारा कस्बा के बकाना रोड पर बनवाए गए सार्वजनिक शौचालय के खुले पड़े मेनहॉल में एक पशुपालक के बकरे की गिरने से मौत हो गई। पीड़ित पशुपालक ने नगरपालिका प्रशासन से उसके बकरे की मौत से उसे हुए नुक्सान की भरपाई के लिए 15 हजार रुपये मुआवजा दिए जाने की मांग की है। छोटाबांस निवासी सोनूपाल ने बताया कि वह बकरियां पालने का काम करता है। उसके घर के पास नगरपालिका की ओर से लगभग 20 वर्ष पहले पुरुषों व महिलाओं के लिए सार्वजनिक शौचालय बनवाए गए थे। जो अब खंडहर हो चुके हैं। जिनकी लंबे समय से सफाई तक नहीं की गई है। ऐसे में शौचालय के मेनहॉल के ढक्कन भी टूट चुके हैं। आज सुबह उसका बकरा अचानक खुलकर सार्वजनिक शौचालय परिसर में चला गया। इस दौरान वह शौचालय परिसर में खुले पड़े मेनहॉल के गड्ढे में गिरकर उसमें भरे गंदे पानी में डूब गया। जिससे उसकी मौत हो गई। इस दौरान उन्होंने नगरपालिका अधिकारियों को सूचना दी। मगर नपा अधिकारियों की ओर से इस बारे कोई कार्रवाई नहीं की गई। उसका कहना है कि यह घटना तो उसके बकरे के साथ घटी है। ऐसी घटना किसी इंसान के साथ भी घट सकती है। उन्होंने जिला प्रशासन से मेनहॉल के गड्ढे को बंद करवाए जाने और उसे उसके बकरे की मौत से हुए नुक्सान की भरपाई के लिए नपा से पंद्रह हजार रुपये का मुआवजा दिए जाने की मांग की।

मेनहॉल के गड्ढे को करवाएंगे बंद

नगर पालिका के सचिव सुरेंद्र मलिक ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है। वह कर्मचारियों को मौके पर भेजकर मेनहॉल के गड्ढे को बंद करवाने का काम करेंगे। जिससे किसी को दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रंजिश के चलते युवक पर चाकू और गंडासी से किया हमला

- पुलिस ने चार आरोपी युवकों को नामजद करते हुए पांच अन्य के खिलाफ किया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

जगाधरी के हरियाणा इंजीनियरिंग कॉलेज के पास रंजिश के चलते कुछ युवकों ने पंचमुखी मंदिर निवासी नीतीश पर चाकू व गंडासी से हमला कर घायल कर दिया। घायल का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

पुलिस ने मामले की जांच के बाद चार आरोपी युवकों को नामजद करते हुए पांच अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पंचमुखी मंदिर निवासी नीतीश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका कुछ दिन पहले कॉलोनी के ही अरमान व रुद्र के साथ किसी बात को लेकर कहा सुनी हो गई थी। उस समय अन्य लोगों ने समझा कर मामला शांत करवा दिया। मगर उसके बाद से आरोपी उससे रंजिश रखने लगे। नीतीश ने बताया कि पांच फरवरी को वह रात आठ बजे किसी काम से हरियाणा इंजीनियरिंग कॉलेज की तरफ गया था। रास्ते में अरमान व रूद्र ने अपने साथी ध्रुव व इशू तथा चार पांच अन्य के साथ मिलकर उसे रोक लिया और उस पर चाकू व गंडासी से हमला कर दिया। जिससे वह घायल हो गया।

उपमंडलाधीश व्यासपुर ने बैठक में अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

अवैध गतिविधि करने वाले स्क्रीनिंग प्लांट के खिलाफ करें कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

यमुनानगर। व्यासपुर उपमंडलाधीश कार्यालय में आयोजित उपमंडलस्तरीय अधिकारियों की बैठक में दिशा निर्देश देते हुए एसडीएम जसपाल सिंह गिल।

व्यासपुर(बिलासपुर) के उपमंडलाधीश कार्यालय में उपमंडलस्तरीय अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपमंडलाधीश जसपाल सिंह गिल ने की। उन्होंने बैठक में अधिकारियों को क्षेत्र में लगे स्क्रीनिंग प्लांटो का समय समय पर निरीक्षण किए जाने व अवैध गतिविधि में संलिप्त पाए जाने वाले स्क्रीनिंग प्लांट के खिलाफ नियमों अनुसार कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। एसडीएम जसपाल सिंह गिल ने बैठक में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि वह उपमंडल व्यासपुर क्षेत्र में जो भी स्क्रीनिंग प्लांट चल रहे हैं उन प्लांट का समय समय पर निरीक्षण करें। इस निरीक्षण के दौरान यदि कोई प्लांट अवैध गतिविधि करता पाया जाता है तो प्रदूषण नियत्रंण बोर्ड यमुनानगर नियमानुसार उसके विरूद्ध कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। इस कार्रवाई किए जाने रिपोर्ट आगामी बैठक में प्रस्तूत करें।

भूमि की मलकियत का रिकॉर्ड समय पर उपलब्ध करवाया जाए

सहायक खनन अभियंता चंद्र भूषण तिवारी ने बताया कि खनन विभाग को उनकी आवश्यकतानुसार भूमि की मलकियत का रिकॉर्ड समय पर उपलब्ध करवाया जाए। जिसके तहत खनन विभाग संबंधित व्यक्ति के विरूद्ध अपने विभाग से नियमानुसार कार्रवाई कर सके। जिल पर उपमंडलाधीश ने बिलासपुर, साढ़ौरा व खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी व्यासपुर को निर्देश दिए कि वह अपने विभाग के पटवारी व ग्राम सचिव को हिदायत दें कि खनन विभाग की आवश्यकतानुसार भूमि की मलकियत बारे रिकार्ड शीघ्र उपलब्ध करवाएं। मौके पर उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के उपमंडल अभियंता को निर्देश दिए कि उनके विभाग द्वारा जो वैध स्क्रीनिंग प्लांट हैं, जिनकी प्रदूषण विभाग द्वारा अनुमति दी गई है व जो प्रदूषण विभाग द्वारा सील किए हैं और क्लोजर ऑर्डर जारी किया गया है उसकी सूची तैयार करके खनन विभाग व उप पुलिस अधीक्षक बिलासपुर के कार्यालय में प्रस्तुत करें। इस अवसर पर उपपुलिस अधीक्षक व्यासपुर हरविन्द्र सिंह, दलजीत सिंह, कार्तिक चौहान,कृष्ण कुमार, विभम नायक आदि अधिकारी मौजूद रहे।

दिल्ली विधानसभा चुनाव : जगह-जगह लड्डू बांटकर मनाया जश्न

भाजपा की जीत पर कार्यकर्ताओं में खुशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

दिल्ली विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की शानदार और ऐतिहासिक जीत की खुशी में कुरुक्षेत्र भाजपा कार्यालय में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा के जिलाध्यक्ष सुशील राणा की अध्यक्षता में कार्यकताऱ्ओं और समर्थकों ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। कार्यक्रम में उपस्थित पार्टी कार्यकताऱ्ओं और नेताओं ने दिल्ली में भाजपा की शानदार जीत को एक नये युग की शुरूआत और पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा। जिला मीडिया प्रभारी शैलेश वत्स ने बताया कि जिलाध्यक्ष सुशील राणा ने इस अवसर पर कहा, दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत सिर्फ एक राजनीतिक जीत नहीं है, बल्कि यह जीत उन विचारों और नीतियों की भी जीत है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में लागू की गई हैं। इस जीत ने साबित कर दिया है कि लोग भाजपा के साथ खड़े हैं और हमारे द्वारा किए गए विकास कार्यों को मान्यता दे रहे हैं। उन्होंने कार्यकताऱ्ओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारी कड़ी मेहनत और जनसेवा का परिणाम है। पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता की मेहनत, समर्पण और उत्साह ने इस जीत में अहम भूमिका निभाई है। इस जीत के बाद हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है, और हम इसे दिल्ली समेत देश के हर कोने में भाजपा की विचारधारा को फैलाने के रूप में निभाएंगे। कार्यक्रम में भाजपा के कई वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और दिल्ली चुनाव में भाजपा के लिए काम करने वाले क्षेत्रीय नेताओं ने भी शिरकत की। सभी ने एकजुट होकर पार्टी की विजय को लेकर उत्सव मनाया और आपस में लड्डू बांटकर खुशी जाहिर की। इस मौके पर पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा, जिला महामंत्री जस्वीन्द्र सैनी व गोल्डी, जिला मीडिया प्रभारी शैलेश वत्स, विक्रम शर्मा, जिला संयोजक अनिल वर्मा, उत्स्व शर्मा, विजय लक्ष्मी, वंदना, राजेश, दीपक आश्री, ऋषिपाल मथाना, गौरव भट्ट सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

कुरुक्षेत्र। खुशी मनाते पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा, जिलाध्यक्ष सुशील राणा व अन्य।

ढोल- नगाड़ों के साथ मनाया जीत का जश्न

कुरुक्षेत्र। दिल्ली विधानसभा के चुनाव परिणाम भारतीय जनता पार्टी की अपेक्षा के अनुरूप भाजपा के पक्ष में आने का असर धर्मनगरी कुरुक्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं से लेकर छोटे कार्यकर्ताओं के चेहरे पर स्पष्ट नजर आया। दिल्ली की सत्ता में 27 साल बाद बैठने का अवसर मिलने पर दिल्ली के भाजपा कार्यकर्ताओं को तो संजीवनी मिली ही है इसके साथ ही धर्मनगरी कुरुक्षेत्र के नगर परिषद के चुनाव के अपेक्षित दावेदारों में भी खुशी की लहर दौड़ रही है क्योंकि उनका मानना है कि दिल्ली की जीत का असर हरियाणा के नगर परिषद के चुनावों पर भी साफ दिखाई देगा और भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के नगर परिषद के चुनावों में भी भारी जीत हासिल करेगी और पार्टी के सभी मेयर और पार्षद बड़ी मार्जिन के साथ जीत हासिल करेंगे। भारतीय जनता पार्टी की जीत के अवसर पर पूर्व मंत्री सुभाष सुधा के घर पर कार्यकताऱ्ओं का जमावड़ा लग गया और कार्यकर्ताओं ने ढोल- नगाड़ों के साथ जीत का जश्न मनाया। भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, नगर परिषद की निवर्तमान चेयरपर्सन उमा सुधा, युवा नेता साहिल सुधा को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अनिल वर्मा, भाजपा नेता प्रदीप झांब, गौशाला के जिला प्रधान जितेंद्र शर्मा,रेणु, अल्का,वंदना, सोनिया सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पीएम की नीतियों के सामने केजरीवाल फेल : सुधा

कुरुक्षेत्र। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने दिल्ली चुनाव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी यमुना माँ के श्राप व प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों के सामने फेल हो गए हैं। वर्ष 2020 में उन्होंने खुद कहा था कि यदि वो यमुना की सफाई सुनिश्चित न कर पाएं तो दिल्ली की जनता उन्हें वोट न करे। आज दिल्ली की जनता ने अपना वायदा निभा दिया है। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा शनिवार को सेक्टर 7 आवास कार्यालय पर भाजपा की जीत पर मनाए गए जश्न के बाद कार्यकताऱ्ओं के साथ बातचीत कर रहे थे। इससे पहले पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, पूर्व नपा अध्यक्षा उमा सुधा, भाजपा नेता साहिल सुधा, भाजपा नेत्री रेणू खुंगर, टोनी मदान सहित हजारों कार्यकताऱ्ओं के साथ जीत का जश्न मना रहे थे। सभी ने एक दूसरे का मुंह मीठा करवाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में दिल्ली की जनता-जनार्दन ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों पर भरोसा और अरविंद केजरीवाल की डर व भ्रम की राजनीति पर अपना जनादेश दिया है। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के विकास को 11 साल तक महज इसलिए रोकने का काम किया, ताकि उन्हें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को विकास का श्रेय न देना पड़े।

झूठ के सामने सच्चाई की हुई जीत : सुधीर कुमार

कुरुक्षेत्र। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं में उत्साह है। दिल्ली में भाजपा की जीत पर धर्मनगरी में बीजेपी कार्यकताऱ्ओं ने जश्न मनाया। मिठाइयां बांटकर खुशियां मनाई। इस मौके पर भाजपा नेता सुधीर कुमार ने कहा कि ये झूठ के सामने सच्चाई की जीत है। विपक्ष ने झूठे वादों और प्रलोभनों के सहारे सत्ता में आने की कोशिश की लेकिन जनता ने उसे करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि यह जीत न केवल भाजपा की नीतियों की जीत है, बल्कि आमजन का विश्वास भी दर्शाती है। कहा कि दिल्ली की जनता ने मुफ्त के लुभावने वादों के सामने राज्य के विकास को चुना है। इस अवसर पर गुरमीत सिंह, भगवान दास, कन्हैया भाटिया, पवन शर्मा, सूरज चोपड़ा, सुरेश तनेजा, विशाल कक्कड़, तरुण व रोहित अरोड़ा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिल्ली में लोकतांत्रिक और राष्ट्र निर्माण की जीत : कटारिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के पूर्व सदस्य सूरजभान कटारिया ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि यह लोकतांत्रिक प्रजातांत्रिक और राष्ट्र निर्माण की जीत है। कटरिया के समर्थकों ने आज मिठाई बाटकर खुशियों का इजहार किया और सूरजभान कटारिया ने उपस्थित सभी को कहा कि 27 वर्षों के बाद में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की सरकार के बाद भारतीय जनता पार्टी की सरकार का गठन दिल्ली प्रदेश में हुआ है जो कि दिल्ली को विकास की दृष्टि में आगे बढ़ाएगा। कटारिया ने कहा है कि अब देश, दिल्ली में और दिल्ली नगर निगम में तीनों जगह सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति के तहत विकास कार्य आरंभ होंगे।

कुरुक्षेत्र। मिठाई बाटकर खुशियां मनाते सूरजभान कटरिया व अन्य।

न्यूज डायरी

गीता निकेतन विद्यालय में आशीर्वाद समारोह आयोजित

कुरुक्षेत्र। गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में कक्षा द्वादश के विद्यार्थियों के लिए आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ विधि पूर्वक हवन के साथ किया गया। हवन के पश्चात विद्यालय के प्राचार्य नारायण सिंह ने समारोह में उपस्थित अतिथि महानुभावों का परिचय करवाया। तत्पश्चात कक्षा द्वादश के छात्रों द्वारा विद्यालय में बिताए समय के अपने अनुभवों को साँझा किया गया। अनुभव कथन की श्रृंखला में छात्रावास के विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साँझा करते हुए कहा कि यह विद्यालय एक लघु भारत का स्वरूप है। यहाँ अनेक राज्यों के छात्र शिक्षा ग्रहण करते हैं। विद्यालय में हमें परिवार की अनुभूति होती है। तत्पश्चात कक्षा द्वादश के कक्षाचार्यों ने अपने आशीर्वचनों से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। छात्रावास के मुख्य पर्यवेक्षक तेजबीर सिंह ने छात्रों को देश प्रेम, राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र उन्नति में सहायक बन निरंतर सफलता के शीर्ष को छूने की शुभकामनाएं दी।

सर्व कर्मचारी संघ ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

कुरुक्षेत्र। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर पिहोवा के विधायक मनदीप चट्ठा को बलवान सिंह ब्लाक प्रधान सर्व कर्मचारी संघ पेहवा की अगुवाई में ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए ओमप्रकाश जिला प्रधान सर्व कर्मचारी संघ कुरुक्षेत्र व विरेंद्र सिंह जिला प्रधान हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ कुरुक्षेत्र ने बताया कि हरियाणा का अलग से 8वां वेतन आयोग गठित हो, वेतन आयोग की रिपोर्ट लागू होने तक 5000/- प्रति माह अन्तरिम राहत दे सरकार, सभी प्रकार की वेतन विसंगतियां ठीक करे, रेगुलराइजेशन की नीति बना कर कच्चे कर्मचारियों को पक्का करे सरकार, पुरानी पेंशन योजना लागू करें, ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को वायदे के अनुसार 26000/- वेतन लागू करें मंहगाई पर रोक लगाई जाए, कौशल रोजगार निगम के तहत लगे कर्मचारियों को वायदे के अनुसार जोब सिक्योरटी के तहत सभी हटाए गए कर्मचारियों को वापिस डियूटी पर रखा जाए आदि मांगों को लेकर सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा आंदोलनरत है।

बच्चों को आत्मविश्वास और लगन के साथ लेना चाहिए सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग

कुरुक्षेत्र। सेंट पीटर कान्वेंट स्कूल की तरफ से सेंट पीटर रेनबो वार्षिक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वार्षिक उत्सव में स्कूल के विद्यार्थियों ने उम्दा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इसके साथ ही इस वार्षिक उत्सव में साल भर में शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल कूद गतिविधियों में अव्वल रहने वाले विद्यार्थियों को मेडल और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। सेंट पीटर कान्वेंट स्कूल मोहन नगर में शनिवार को स्कूल प्रबंधन समिति की तरफ से सेंट पीटर रेनबो वार्षिक उत्सव का आयोजन किया। इस उत्सव में मुख्य अतिथि सरपंच प्रदीप सैनी, कसेरला के सरपंच राजबीर सैनी, सिरसला के सरपंच बलजिन्द्र सिंह, कनीपला के सरपंच सुखदेव, खेडी के सरपंच कृष्ण कुमार ने दीप शिखा प्रज्जवलित करके विधिवत रूप से वार्षिक उत्सव का शुभारंभ किया।

स्वावलंबी भारत के तहत चलाया डिजिटल हस्ताक्षर अभियान

कुरुक्षेत्र। स्वावलंबी भारत अभियान द्वारा 12 जनवरी से 12 फरवरी तक डिजिटल हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तीन मुख्य उद्देश्य हैं प्रथम हर घर स्वदेशी सभी व्यक्ति अपने-अपने घरों में स्वदेशी का उपयोग बढ़ाएं, स्वदेशी जीवन शैली अपनाए, स्वभूषा, स्वभाषा पर गर्व करें। दूसरा उद्देश्य हर युवा उद्यमी भारत के 37 करोड़ युवा स्वावलंबन की राह पर चलकर स्वयं को एवं देश को स्वावलंबी बनाएं। तीसरा और मुख्य उद्देश्य है केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा अपने-अपने स्तर पर उद्यमिता आयोग का गठन करें। मुख्य रूप से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने डिजिटल सिग्नेचर के साथ-साथ वीडियो संदेश के माध्यम से भी सभी युवक युवतियों से डिजिटल हस्ताक्षर अभियान का हिस्सा बनने के लिए अपील की और कुलसचिव डॉ वीरेंद्र पाल, बीआर अंबेडकर स्टडी सेंटर के निदेशक डॉ प्रीतम सिंह व ओएसडी टू वीसी पवन रोहिल्ला, प्रोफेसर ए. आर. चौधरी, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र ने डिजिटल सिग्नेचर कर डिजिटल हस्ताक्षर अभियान में अपना योगदान दिया और सभी से अपील भी की डिजिटल सिग्नेचर अभियान का हिस्सा बनने के लिए वेबसाइट पर जाकर डिजिटल सिग्नेचर करें। इस मौके पर प्रांत संयोजक डॉ अंकेश्वर प्रकाश, जिला संयोजक डॉ अजय जांगड़ा, नगर संयोजक डॉ देवेंद्र बीबीपुरिया, नगर संपर्क प्रमुख, डॉ तरुण जोशी, पूर्णकालिक कार्यकर्ता ताराचंद रहे।

विरासत हरियाणा पैवेलियन में 100 साल पुरानी बैलड़ी बनी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र

- 23 फरवरी तक चलेगा 38वें सूरजकुंड मेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा सरकार के पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित 7 फरवरी से 23 फरवरी तक चलने वाले 38वें सूरजकुंड क्राफ्ट मेला 2025 में विरासत दि हेरिटेज विलेज कुरुक्षेत्र द्वारा हरियाणा पैवेलियन ह्यअपणा घर की स्थापना की गई है। अपणा घर की प्रदर्शनी में जहां एक ओर लोक पारम्परिक विषय-वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया है वहीं पर दूसरी ओर हरियाणवी लोक जीवन में प्रयोग की जाने वाली सैंकड़ों वर्ष पुरानी विषय-वस्तुएं पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र बन रही हैं। यह जानकारी विरासत दि हेरिटेज विलेज के संयोजक डॉ. महासिंह पूनिया ने दी। उन्होंने बताया कि हरियाणवी लोकजीवन के परिवहन के साधनों में बैलड़ी एक ऐसा माध्यम रहा है, जिसके बिना हरियाणवीं जन-जीवन की परिकल्पना भी नहीं की जा सकती। बैलड़ी का चलन ईसा से लगभग तीन हजार वर्ष पूर्व माना जाता है। हरियाणवीं लोकजीवन में बैलड़ी वास्तव में आम आदमी की खास सवारी के रूप में जानी जाती रही है। ग्रामीण जीवन में बैलड़ी का प्रयोग जहां एक ओर सवारी के रूप में किया जाता रहा है, वहीं पर दूसरी ओर परिवहन के साधन के रूप में सामान लाने व ले जाने के लिए भी इसका प्रयोग होता रहा है। इसके अतिरिक्त मेलों आदि में भी पहले के लोग बैलड़ियों के माध्यम से ही मेला देखने जाया करते थे। यही कारण है कि बैलड़ी का ब्यौरा हरियाणवीं लोककथाओं, लोकगीतों, रागनियों आदि सहित अनेक विधाओं देखने को मिलते हैं।

डेरा सच्चा सौदा के सेवादारों ने बनवाया विधवा का मकान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शाहबाद

बरसात में मकान गिर जाने के बाद बेघर हुई निकटवर्ती गांव चढ़ूनी निवासी विधवा बबीता को डेरा सच्चा सौदा के सेवादारों ने घर बना कर दिया है। शनिवार को डेरा सच्चा सौदा के सेवादारों ने आशियाना मुहिम के तहत मकान का लैंटर डाला। घर बनाए जाने पर बबीता व उसके 4 बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। जानकारी देते हुए डेरा सच्चा सौदा के 85 मैंबर कमेटी के सदस्य जोगिंद्र सिंह व मा. ओम प्रकाश ने बताया कि कुछ दिन पहले हुई बरसात में बबीता के मकान की छत गिर गई थी, जिस कारण उसके लिए अपने बच्चों के साथ रहना मुश्किल हो गया था। किसी सज्जन ने इस खस्ता हालत मकान की वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर डाली, जिसे डेरा सच्चा सौदा में देखा गया। वहां से उनके पास इस बारे में कॉल आई, तो वे तुरंत बबीता का मकान देखने पहुंचे। उन्होने मौके पर देखा कि मकान की आधी छत गिर गई थी और जो बच गई, वह भी जल्दी गिर सकती थी। ऐसे में पहले बबीता व उसके बच्चों के रहने का प्रबंध कर साथ ही मकान बनाने का काम शुरू कर दिया गया। लगभग सप्ताह भर में ही आज मकान का लैंटर डाला गया है। विधवा बबीता ने डेरा सच्चा सौदा के सेवादारों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उसके पति की दो वर्ष पहले हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई थी। आमदनी का कोई प्रबंध न होने के कारण वह दिहाड़ी मजदूरी करके अपने बच्चों का पेट पाल रही है। मकान जर्जर होने के कारण पिछले दिनों बरसात में गिर गया था।

- बरसात में गिर गया था चढ़ूनी निवासी बबिता का मकान

शाहबाद। विधवा बबिता के लिए बनाए जा रहे मकान का लैंटर डालते सेवादार।

शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देना प्राथमिकता : सचदेवा

- केयू यूआईईटी संस्थान का मल्टी वेजिटेबल ट्रांसप्लांटर का पेटेंट हुआ ग्रांट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने यूआईईटी संस्थान को मल्टी वेजिटेबल ट्रांसप्लांटर के पेटेंट ग्रांट होने पर संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील ढींगरा, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देना कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा युवाओं को शोध, अनुसंधान तथा नवाचार के माध्यम से कृषि, व्यापार, विज्ञान एवं तकनीक सहित अन्य सामाजिक समस्याओं का समाधान करना चाहिए। कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि इस पेटेंट के ग्रांट होने से कृषि क्षेत्र में सुगमता और समय के साथ पैसे की बचत होगी तथा कृषि क्षेत्र में किसानों के लिए यह नवीनतम तकनीक कारगर साबित होगी। उन्होंने कहा कि नवाचार, उद्यमिता एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए यूआईईटी संस्थान में दो इंक्यूबेशन सेंटर भी स्थापित किए गए हैं। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. वीरेंद्र पाल ने भी इस उपलब्धि के लिए सभी को बधाई दी। इस अवसर पर केयू डीन इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व निदेशक यूआईईटी संस्थान प्रो सुनील ढींगरा ने बताया कि पेटेंट मिलना किसी भी चुनौती पर निरंतर कार्य करने से ही संभव होता है। उन्होंने बताया कि कृषि क्षेत्र में पौध के रोपण का कार्य हाथों से किया जाता है जिसमें अधिक से अधिक मानव शक्ति व समय लगता है परंतु इस मशीन के कारण दोनों की बचत होगी। इस पेटेंट में मुख्य भूमिका निभाने वाले मैकेनिकल विभाग से डॉ. विशाल अहलावत ने बताया कि यह पेटेंट जून 2023 में अप्लाई किया गया था।

पौध को लगाने में समय एवं धन की होगी बचत

जब किसान अपने खेत में बुआई करता है तो मशीन में पौधे से पौधे व लाइन से लाइन दूरी अपने अनुसार व्यवस्थित कर सकता है। इससे पौध लगाने में समय एवं शक्ति की बचत के साथ धन की भी बचत होती है। इसके लिए मशीन में एक ऐसा ट्रांसमिशन, जिनेवा व रोटर मैकेनिज्म है जिससे पौध की जरूरत के हिसाब से दूरी को सेट किया जा सकता है। इसमें दो ट्रे होती हैं जिससे एक बार में 350 पौध का पौधारोपण हो सकता है।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर करोड़ों की धोखाधड़ी

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए डिजिटल अरेस्ट के नाम पर करोड़ो रुपए की धोखाधड़ी करने के तीन और आरोपियों कातरिया राहुल राणा भाई, प्रदीप बूरा उर्फ कुंदन व अक्षय राजिन्द्रा धनघर वासीयान राजकोट गुजरात को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 11 जनवरी 25 को थाना साईबर कुरुक्षेत्र को साईबर पोर्टल से प्राप्त शिकायत मिली थी। शिकायत में सुशील गर्ग वासी शाहबाद कुरुक्षेत्र ने बताया कि उसके मोबाईल पर एक अनजान काल आई थी। फोन करने वाले ने अपने आप को ट्राई का अधिकारी बताया और कहा कि उसका फोन 2 घंटे में बन्द हो जायेगा क्योंकि उसका फोन नंबर मनी लोड्रिंग केस में पाया गया है। अगर इसके बारे में ज्यादा जानकारी लेनी तो 9 दबाये। जैसे ही उसने 9 दबाया तो सामने से काल पर बताया कि वह विजय खन्ना सीबीआई मुम्बई से बोल रहा है। उसने बताया कि उसके खिलाफ कोलाबा पुलिस स्टेशन मुम्बई में एक मनी लोंड्रिंग की एफआईआर दर्ज हुई है । उसको बताया गया कि उसके आधार कार्ड के माध्यम से कैनरा बैंक में एक खाता खुलवाया गया हैं जिसमे 2 करोड़ रुपये जमा हुए है । जिसके लिए उसको डिजिटल अरेस्ट किया जाता है। अब काल करने वाले ने उसको एक अलग रूम में जाने को बोला और उसके द्वारा मांगी गई जानकारी उसने उसको फोन पर दे दी। इसके बाद उसके अलग-अलग बैंक खाते से करीब 1 करोड़ 29 लाख 42 हजार 870 रुपये निकाल लिए। जिसकी शिकायत पर मामला दर्ज करके जांच की गई थी। 25 जनवरी को साईबर थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार के मार्गनिर्देश में सहायक उप निरीक्षक सुनील कुमार की टीम ने मामले में डोडिया मोहित भाई, रोला आशीष भाई व ढोलरिया अंकित वासीयान राजकोट गुजरात को मामले में गिरफ्तार कर लिया था। आरोपियों को माननीय अदालत में पेश करके में डोडिया मोहित भाई, रोला आशीष भाई को अदालत के आदेश से कारागार भेज दिया व ढोलरिया अंकित पेश करके 8 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया था। टीम ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर करोड़ो रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में कातरिया राहुल भाई, प्रदीप बूरा उर्फ कुंदन व अक्षय राजिन्द्रा धनघर वासीयान राजकोट गुजरात को गिरफ्तार कर लिया।

कार्यक्रम विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक व सगे संबंधियों नें श्रद्धासुमन किए अर्पित

स्व. रामजीलाल की तीसरी पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

- इस मौके पर सत्संग व विशाल भंडारे का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

मीडिया वेलफेयर क्लब के चेयरमैन बाबू राम तुषार के स्व. पिता रामजीलाल की तीसरी पुण्य तिथि गांव लुखी में मनाई गई। पुण्य तिथि में विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक व सगे संबंधियों ने स्व. रामजीलाल की तीसरी बरसी पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस मौके पर सत्संग व विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। गांव ठसका के रविदासीय समाज अमृत वाणी प्रचारक धर्मपाल दास महाराज की टीम ने श्री गुरु रविदास की अमृत वाणी का बखान कर बरसी में शामिल लोगों को गुरु रविदास की शिक्षाओं पर चलने का सुंदर भजनों के माध्यम से संदेश देने का काम किया। इस मौके पर प्रदेश सरकार से अतिरिक्त मुख्य सचिव से सेवानिवृत हुए आईएएस डा आर आर फुलिया, भारतीय जनता पार्टी एससी मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजभान कटारिया ने स्व. रामजीलाल को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि परिवार उनके नाम को आगे बढाने का काम कर रहा है, जो कि बहुत अच्छा कार्य है। स्व. रामजीलाल ने सात बेटों को मेहनत के बलबूते पर अच्छे मुकाम पर पहुंचाने का काम किया। हमें उनसे प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। उन्होंने तुषार परिवार व उनके सगे संबंधियों को बरसी के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर शाहाबाद से भाजपा प्रत्याशी रहे सुभाष कलसाना ने भी मुख्यमंत्री नायब सैनी और अपनी ओर से श्रद्धासुमन अर्पित कर परिवार को इस नेक काम की प्रशंसा की। श्रद्धांजलि समारोह में सेवा स्तंभ के प्रदेश कन्वीनर रामकुमार राहुल, महिपाल फूले, जिला महिला कांग्रेस कमेटी की प्रधान निशी गुप्ता, जिला उप प्रधान, सुदेश गौतम, शहरी ब्लाक अध्यक्ष कमलेश धीमान, केडीबी के पूर्व सदस्य केसी रंगा, भाजपा नेता सुधीर चुघ, कुरुक्षेत्र सहकारी बैंक के निदेशक सुभाष चंद सैनी, कांग्रेस ओबीसी सैल के जिला प्रधान सुरेंद्र सैनी, एससीएसटी कमेटी के सदस्य कश्मीर तंवर, अंबेडकर भवन की ओर से श्याम लाल, जिले सिंह सभ्रवाल, रामलाल सिरोही, मिंहा सिंह रंगा, राममेहर सिरसल, पंकज अरोड़ा, जसबीर सिंह दुग्गल, तरुण वधवा, सुधीर, विशाल, जितेंद्र चुघ गोल्डी, लख्मी चंद, रविंद्र कुमार, जगमाल सिंह चंदेल, जरनैल रंगा, बाल कल्याण समिति के सदस्य हरि सिंह, सुखबीर सिन्हा, रामचंद्र, बीर सिंह तुषार, कृष्ण लाल भानखूड, अनिल गुप्ता, रमन शर्मा सहित अनेक लोगों ने स्व. रामजीलाल को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर स्व. रामजीलाल के बेटे धूप खान साबरी, बाबू राम तुषार, रती राम तुषार, रामकुमार तुषार, राजकुमार तुषार, प्रेरम तुषार, ओमप्रकाश तुषार ने सत्संग प्रचारक धर्मपाल दास व उनकी टीम को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

दिल्ली में भाजपा की बपंर जीत पर खूब थिरके कार्यकर्ता

विज बोले-ये पीएम मोदी का जलवा,जीत से झूठ-फरेब की राजनीति का हुआ अंत

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

दिल्ली विधानसभा चुनाव में 27 साल बाद मिली प्रचंड जीत के बाद शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने खूब जश्न मनाया। जीत की खुशी में लड्डू बांटे गए साथ ही जमकर आतिशबाजी भी हुई। ऊर्जा, श्रम व परिवहन मंत्री अनिल विज ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत को मोदी का जलवा बताया। उन्होंने कहा आम आदमी पार्टी की हार के बाद झूठ फरेब व मुफ़्तवादी राजनीति की सफाई हो गई है। यह मोदी की जीत है, मोदी जी को जय श्री राम। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा सरकार बन रही है। मोदी जी का जलवा सर चढ़ कर बोल रहा है, आम आदमी पार्टी के बड़े-बड़े नेताओं की हार के बाद मुफ्तवादी राजनीति का अंत हो रहा है। देश में साफ-सुथरी राजनीति हो रही है। विज ने कहा दिल्ली के लोगों ने बहुत अच्छा फैसला दिया है। कांग्रेस अब इस देश में जीरो है। कार्यकर्ताओं ने दिल्ली चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की जीत पर पार्टी कार्यालय के समक्ष जीत का जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े और ढोल की थाप पर वह जमकर थिरके। इस दौरान लड्डू भी बांटे। मौके पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज भी पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

अंबाला। भाजपा की जीत पर जश्न में शामिल होते मंत्री अनिल विज।

जीत पर लड्डू के साथ जलेबी बंटी

दिल्ली में भाजपा की बंपर जीत पर नारायणगढ़ में भी भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी के निवास पर एकत्रित होकर लडडू व जलेबी बांट कर अपनी खुशी का इजहार किया। भाजपा की दिल्ली के विधानसभा चुनाव में जीत होने पर हलके के बड़ी संख्या में उत्साहित कार्यकर्ता डॉ. पवन सैनी के निवास पर पहुंचे थे। उत्साहित कार्यकर्ताओं को लड्डू व जलेबी खिलाकर उन्हें जीत की मुबारकबाद दी। पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी ने कहा कि दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीत दिल्ली की जनता की जीत है जिसने भारतीय जनता पार्टी को विजय दिलाकर आम आदमी पार्टी को सता से बाहर बैठा दिया है। उन्होंने कहा कि अरविन्द केजरीवाल का स्वयं चुनाव हार जाना यह दिखाता है कि दिल्ली के लोग उनकी नीतियों से नाखुश थे और विधानसभा चुनाव का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा की यह जीत जहां दिल्ली की जनता की जीत है वहीं यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व क्षमता एवं मार्ग दर्शन का कमाल है। जिसके कारण भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में डोर टू डोर जाकर केन्द्र सरकार व भाजपा शासित राज्य सरकारों के कामों की जानकारी देने के साथ ही भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा दिल्ली के विधानसभा चुनाव में धुंआधार चुनाव प्रचार किया गया।

दिल्ली में बीजेपी की प्रचंड जीत पर जोरदार जश्न

अंबाला। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत हासिल हुआ है। 27 साल बाद दिल्ली में भाजपा की सत्ता में वापसी हुई है। जिसे लेकर देशभर में भाजपा खूब जश्न मना रही है। अंबाला शहर में भी भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ों की थाप पर नाचकर व पटाखे फोड़कर दिल्ली की जीत का जश्न मनाया। इस दौरान पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल भी जीत के जश्न में शामिल हुए। शहर के मुख्य चौक जगाधरी गेट पर पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल ने भाजपा नेताओं के साथ मिलकर जलेबी बांटकर जीत की खुशी मनाई। इस दौरान असीम गोयल ने दिल्ली में खाता भी न खोल पाने वाली कांग्रेस और अरविंद केजरीवाल पर तीखे तंज भी कसे। असीम गोयल ने कहा कि यह कांग्रेस की समाप्ति का काल चल रहा है। आज दिल्ली को आपदा से मुक्ति मिली है। आज न केवल दिल्ली बल्कि पूरे देश में मिठाईयां बांटी जा रही है।

लाखों का सरिया चोरी होने से बच गया

अंबाला। अंबाला शहर के कालू माजरा के निकट निर्माणाधीन वर्कशॉप की साइट से लाखों का सरिया चोरी होने से बच गया। शातिर चोर कैंटर लेकर आए थे और सरिया लोड कर जाने लगे तो अचानक पहिये मिट्टी में धंस गए। इस बीच चोरों ने सिक्योरिटी गार्ड को भी जबरन पकड़ लिया था। कैंटर फंसने पर चोर उसे छोड़कर फरार हो गए। अंबाला सदर थाना पुलिस ने चोरी की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। शिकायतकर्ता सिटी की पुलिस लाइन निवासी जसविंद्र सिंह ने बताया कि उनकी गुरुनानक मोटर्स के नाम से नियर पुलिस लाइन के पास मारुति की वर्कशाप है। वर्कशाप बनाने का काम कालू माजरा स्काई होटल के निकट एक एकड़ जमीन पर बनी हुई है।

नई आधुनिक शैली से शिक्षकों को किया दक्ष

- सीबीएसई की ओर से आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

शिक्षकों की दक्षता और शिक्षण कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से शैमफॉर्ड विद्यालय, में शनिवार को सीबीएसई द्वारा एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में ब्लूम टैक्सोनॉमी, लर्निंग आउटकम्स, पाठ योजना, शिक्षणशास्त्र, निर्देशात्मक रणनीतियां और विभिन्न शिक्षण विधियों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला का शुभारंभ अंबाला छावनी एयरफोर्स स्कूल से डॉक्टर अनुपम हांडा और आर्मी पब्लिक स्कूल चंडीमंदिर पंचकुला से आई शिवानी वशिष्ठ द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। विद्यालय के 60 शिक्षकों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया और नवीनतम शिक्षण तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षकों द्वारा शिक्षकों को कक्षा प्रबंधन, डिजिटल शिक्षण उपकरण, फ्लिप क्लासरूम, प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण, पीयर टीचिंग एवं गेमीफिकेशन जैसी प्रभावी शिक्षण रणनीतियों से अवगत कराया गया।

बराड़ा। कार्यशाला में भाग लेने वाले शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

इस दौरान प्रायोगिक सत्र, केस स्टडी एवं समूह चर्चा के माध्यम से शिक्षकों को व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया गया। अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या रुबी शर्मा ने प्रशिक्षकों को स्मृति चिह्न देकर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को सशक्त बनाते हैं और शिक्षा की गुणवत्ता को उन्नत करने में सहायक होते हैं।

यातायात नियमों की पालना जरूरी

- गोल्डन ऑवर में जख्मी व्यक्ति की हर संभव मदद कर उसकी जान बचाने में निभाएं अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया ने कहा कि यातायात के नियमों की पालना करना हम सभी के लिए बेहद जरुरी है। उन्होंने बताया कि किसी भी शहर का यातायात सुव्यवस्थित रहे इसके लिए यातायात नियमों की पालना करना हम सभी का दायित्व है। क्योंकि छोटी सी भी गलती हो जाने से दुर्घटना हो सकती है। यातायात के नियमों की पालन के अभाव में किसी की भी जान जा सकती है जिसका खामियाजा परिवार के लोगों को भुगतना पड़ सकता है। इसके साथ ही यातायात के नियमों का पालन करने से ट्रैफिक जाम की समस्या से भी निजात पायी जा सकती है।

एसपी सुरेंद्र सिंह भौरिया।

अगर आप सड़क पर सुरक्षित रहना चाहते हैं तो सड़क पर वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करना बहुत जरूरी है। नियमों का पालन करने से सड़क दुर्घटना की संभावना भी कम होती है। सही सलामत आप अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचते हैं। विशेष कर मोटरसाइकिल चालक को हेलमेट का प्रयोग जरूर करना चाहिए। एसपी ने बताया कि सुरक्षित यात्रा के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा यातायात नियमों की पालना हेतु लगातार जागरूक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। पुलिस प्रशासन द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों पर विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाए जाते है। वाहन चेकिंग का मुख्य उद्देश्य दोपहिया वाहन चालक हेलमेट पहनें ,मार्गों पर वाहनों की गति को नियंत्रण में रखें, कभी ओवरटेक न करें। आंकड़े बताते हैं कि ज्यादातर दुर्घटनाएं तेज और अनियंत्रित रफ्तार के कारण ही होती हैं।

जीएमएन कॉलेज में होगी पूल कैंपस ड्राइव

अंबाला। गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज की ओर से आगारा आगामी 11 फरवरी को सुबह 9 बजे से कॉलेज के मैनेजमेंट एवं टेक्नोलॉजी ब्लॉक में पूल कैंपस ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। ड्राइव का आयोजन कॉलेज प्राचार्य डॉ रोहित दत्त के दिशा निर्देशन में किया जा रहा है। डॉ रोहित दत्त ने बताया कि इस ड्राइव का उद्देश्य अंबाला के शिक्षित युवा वर्ग को रोजगार के सुनहरे अवसर प्रदान करना है। इस प्रतिस्पर्धा भरे युग में युवा को अपने लक्ष्य निर्धारण एवं लक्ष्य प्राप्ति के लिए सही मार्गदर्शन नितांत आवश्यक है। इस प्रकार की पूल ड्राइव से छात्रों को सही अवसर मिलते हैं। पूल ड्राइव में शामिल होने से छात्रों को बाहरी दुनिया में होने वाली प्रतिस्पर्धा का पता चलता है।

चेयरपर्सन समेत सभी वार्डों से जीत का बनाया रोडमैप

विजय के लिए करनी होगी मेहनत

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला सदर नगर परिषद चुनाव को लेकर भाजपा ने तैयारी शुरू कर दी है। इस सिलसिले में शनिवार को परिवहन मंत्री अनिल विज ने खुद पार्टी नेताओं की मीटिंग लेकर जरुरी निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि कार्यकर्ताओं को इतनी मेहनत करनी होगी कि चेयरपर्सन समेत सभी 32 वार्डों में भाजपा उम्मीदवारों की जीत हो। विज ने कहा कि चुनाव रणभेरी बजी चुकी है। इस चुनावों में हम इतनी मेहनत करेंगे कि सभी वार्डों से जीत मिले। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव सबसे महत्वपूर्ण चुनाव है। जोकि आम जनता से जुड़ा है। उन्होंने कहा यदि उनका बस चलता तो वह निकाय चुनावों में जो अंतर पड़ा है वह पड़ने न देते। चुनाव कराकर उन्हें काम करने वाले 32 हाथ और मिल जाते।

अंबाला। निकाय चुनाव को लेकर पार्टी नेताओं को आदेश देते परिवहन मंत्री अनिल विज।

प्रत्याशी तय होंगे

विज ने कहा कि हमने अभी चेयरपर्सन और सदस्य पद के प्रत्याशियों को तय करना है। इसके लिए चयन प्रक्रिया प्रारंभ करनी है। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से विचार-विमर्श करने के उपरांत भाजपा नेता संजीव सोनी बब्बू की अध्यक्षता में आवेदन समिति बनाई जिसमें वरिष्ठ भाजपा नेता ओम सहगल, सोम चोपड़ा, जसबीर सिंह जस्सी, सुरेंद्र बिंद्रा, अजय बवेजा के अलावा भाजपा अंबाला छावनी के चारों मंडल प्रधान, पूर्व प्रधान तथा महासचिवों को शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि चेयरपर्सन और सदस्य पद के लिए चुनाव लड़ने के इच्छुक कार्यकर्ता आवेदन समिति के अध्यक्ष संजीव सोनी बब्बू को अपने आवेदन जमा कराए ताकि नामों की छंटाई के बाद उन्हें आगे हाईकमान को भेजा जा सके।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

बम्पर इनामी योजना-2025

नाम.....सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी.....

पता.....तहसील .....पिन.....

जिला ..... फोन नं. ..... एजेंट का नाम .....

सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
सामान्य कूपन | सामान्य कूपन | सामान्य कूपन
मास्टर कूपन | मास्टर कूपन | मास्टर कूपन
मास्टर कूपन | मास्टर कूपन | मास्टर कूपन

नियम व शर्तें

हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 - 5 फरवरी 2025 से 5 अगस्त 2025 की अवधि के लिए है। ⏭ बम्पर ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ⏭ योजना में भाग लेने के लिए पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित प्रपत्र पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 24 कूपनों में से कुल 18 कूपन (12 सामान्य एवं 6 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ⏭ हर माह के दो सामान्य कूपन चिपकाना अनिवार्य है। ⏭ फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन फार्मेट में मान्य नहीं होगे। ⏭ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ⏭ हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी। ⏭ यदि किसी पुरस्कार पर टी. डी. एस. की कटौती लागू होगी तो विजेता को टी.डी.एस. का भुगतान स्वंय करना होगा। ⏭ वाहनों के एक्स शोरूम की कीमत को हरिभूमि द्वारा वहन किया जायेगा और अन्य खर्च विजेता को देने होंगे। ⏭ हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ⏭ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रोहतक होगा। ⏭ चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ⏭ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते। ⏭ प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 5 सितम्बर 2025 होगी। ⏭ पूर्णरूप से भरा हुआ मूल प्रपत्र अपने नजदीक के हरिभूमि कार्यालय या मुख्य कार्यालय में स्वंय अथवा साधारण डाक द्वारा भिजवाएं। ⏭ किसी भी कूपन और प्रपत्र की फोटोप्रति मान्य नहीं होगी। ⏭ अंतिम तिथि के बाद प्रपत्र स्वीकार नहीं होंगे। विजेताओं का चयन ड्रॉ द्वारा किया जायेगा। ⏭ ड्रॉ निकालने की तिथि 5 अक्टूबर 2025 होगी। ⏭ विजेताओं की सूची 10 नवम्बर से समाचार पत्र में प्रकाशित की जायेगी। ⏭ प्रथम, द्वितीय, तृतीय विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय रोहतक से पुरस्कार प्राप्त करना होगा। अन्य सभी विजेता हरिभूमि के उनके नजदीकी कार्यालय से पुरस्कार प्राप्त कर सकेंगे। ⏭ सभी विजेताओं को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए अपनी फोटो पहचान पत्र की फोटो प्रति हरिभूमि कार्यालय में जमा करनी होगी। अपने साथ पहचान पत्र की मूल प्रति लाना न भूलें।

हरिभूमि कार्यालय , नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
फोन : 9253681019-20, 9253681010, 9253681005

{ कवर स्टोरी / डॉ. ओम निश्चल }

वैसे तो मुहब्बत का कोई दिन मुकर्रर नहीं होता। ये कभी भी कहीं भी किसी को किसी से हो जाती है। लेकिन हाल के वर्षों में वैलेंटाइन-डे को प्यार के वार्षिक उत्सव के रूप में मनाने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। मुहब्बत की कहानी तभी से शुरू हो गई थी, जब से इंसान ने धरती पर जन्म लिया। गुजरते वक्त के साथ इसकी मूल भावना भले न बदली हो पर इसके स्वरूप में बहुत बदलाव आ गए हैं। मुहब्बत की दास्तान और इसके बदलावों पर एक नजर।

दास्तान-ए-मुहब्बत
जज्बात वही-अंदाज नया

प्रेम ऐसा मानवीय अहसास है, जिससे कोई भी अछूता नहीं रहता। यह कुदरत की देन है। हमारी ऋतुएं भी प्रेम की बयार बहाने में मदद करती हैं।

बदल गया प्रेम का स्वरूपः इस वसुधा पर वसंत आता ही है, प्रेम का अहसास लेकर। वसंत और प्रेम का बहुत घना रिश्ता है। हमारा साहित्य प्रेम के ऐसे उद्गारों से भरा है। पहले के जमाने में प्रेम को सौ पर्दे में छिपाकर रखा जाता था कि कोई जान न ले। आज तो प्रेम जताने का चलन है। सोशल मीडिया ने सब कुछ उघार दिया है। लज्जा के वसन उतार फेंके हैं दिलफेंक प्रेमियों ने। लेकिन क्या वही प्रेम आज है, जो कभी हीर-रांझा में था, जो कभी रोमियो और जूलियट में था, जो कभी पिरामिस और थेसबी में था, जो लैला-मजनू में था? अब तो मजनू भी वैसे न रहे, न लैला ही, केवल मजनू के टीले बचे हैं, जहां प्रेम नदारद है। प्रेम की सुंदर अनुभूति को मनुष्य ने धीरे-धीरे बाजारू बना दिया है। हमने प्रेम की जड़ों को सींचने के बजाय काटना शुरू किया। हमने प्रेम के आख्यान लिखे, गीत लिखे, कविताएं लिखीं, मंदिरों के स्थापत्य को प्रेम के उत्कीर्णनों से भर दिया पर जीवन में प्रेम छीजता रहा।

प्रेम बिना जीवन हो जाए नीरसः कहते हैं, प्रेम एक ऐसी शै है कि यह छुप नहीं सकता। एक दिन सारी दुनिया जहान को पता चल ही जाता है कि बंदा प्रेम में है। लेकिन भले ही पता चल जाए, मुहब्बत करने वालों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्रेम जीवन को संतुलित करने का नाम भी है। प्रेम को, जो काम की ही एक चैतन्य संज्ञा है, पुरुषार्थ चतुष्टय का अपरिहार्य अंग है। काम न हो, प्रेम न हो, राग न हो, अनुराग न हो, आसक्तियां न हों तो जीवन काहे का। यह मशीन की गतिशीलता बनाए रखने वाले लुब्रीकेशन की तरह है। यह न हो तो जीवन नीरस हो जाए। कविवर नीरज ने कहा ही है, *'प्यार अगर थामता न पथ में/ अंगुली इस बीमार उमर की/ हर पीड़ा वेश्या बन जाती/ हर आंसू आवारा होता।'* इस तरह प्रेम जीवन का एक अपरिहार्य पहलू है।

बावरा मन करता है प्रेमः कभी गीतकार रामावतार त्यागी के पत्रों की एक पुस्तक हाथ लगी थी। नाम था-चरित्रहीन के पत्र। हर पत्र में संबोधन के साथ अंत में लिखा होता था, 'तुम्हारा चरित्रहीन।' अद्भुत प्रेम की छुअन लिए पत्र थे। त्यागी जी ने एक गीत में लिखा है, *'अक्लमंदी हमारे नाम के आगे नहीं जुड़ती/ मगर भोले नहीं इतना कि जितना आम दिखते हैं/ हमें हस्ताक्षर करना न आया चेक पर माना/ मगर दिल पर बड़ी कारीगरी से नाम लिखते हैं।'* सच, मुहब्बत में अक्लमंदी नहीं चलती। वह तो बावरे मन का काम हैं।

कवियों ने प्रेम के ही गीत गाए। सगुण और निर्गुण प्रेम की धारा बहाई। मीरा, रसखान, पद्माकर, रत्नाकर प्रेम के ही कवि हैं। कृष्णमूर्ति कहते थे, 'जहां निर्भरता और आसक्ति है, वहां प्रेम नहीं रह सकता।'

होने लगा है प्रेम का पूंजी प्रबंधनः प्रेम को प्रबंधन करने का दौर चल पड़ा है। दिल की राह पर चलने वाले लोग, उपहारों के उत्कोच से प्रेम को बांधने का जतन करते हैं। पर सच्चा प्रेम कब इन उपहारों से बंधा है। जहां उपहारों की बारिश खत्म, प्रेम और मुहब्बत की सारी नवाजिश हवा हो जाती है। फिर निराला के इस गीत जैसा हाल ही प्रेमियों का होता है- *स्नेह निर्झर बह गया है, रेत ज्यों तन रह गया है।*

प्रेम सीधे-सच्चे स्नेह का पथ है। इस राह पर छली, कपटी दूर तक नहीं चल सकता। प्रेम के कई रंग हैं- पारिवारिक प्रेम, आत्मिक प्रेम, दांपत्य प्रेम, रूहानी प्रेम। इसी अनुरागमयता से यह संसार चल रहा है।

आया चट चैट-पट प्यार का दौरः प्रेम का जैसा लौकिक और अलौकिक बखान हमारे साहित्य में है, समाज में बिल्कुल नहीं। प्रेम सांसारिक भोग और विलास में बदल गया। आज मोबाइल पर हर दूसरा मैसेज प्यार का लिखा जा रहा है। हर शख्स आई लव यू के बुखार से ग्रस्त है। चट चैट, पट प्यार का फार्मूला ईजाद हो रहा है पर प्यार है कि जीवन में घुल ही नहीं रहा। अब चिट्ठियों का जमाना नहीं रहा कि महीनों लिफाफे से मुहब्बत की खुशबू आती थी। लोग उसे दिल के तहखाने में छुपा के रखते और एकांत में खोल कर पढ़ा करते थे। आज इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स प्यार के इजहार का मंच बन गए हैं। प्रेम और वासना की रीलें बनाई जा रही हैं। इंटरनेट प्रेम कहानियों से भरा है, पर जीवन मे प्रेम नदारद है।

जरूर खोलिए प्यार का एकाउंटः एक बार फिर वैलेंटाइन-डे आ पहुंचा है प्रेम की याद दिलाने। वह जैसे हमारी देहरी पर दरवाजा खटखटा रहा है। लेकिन सच्ची मुहब्बत करने वाले खूबसूरत लोग अब नहीं दिखते हैं। ऐसा इसलिए कि हमने सच्चे दिल से अपने जीवन में प्रेम का खाता नहीं खोला। इसलिए यदि जीवन को बचाना है, समाज को बचाना है, मन को बेगानेपन से बचाना है तो क्रिएट ए लव एकाउंट। प्रेम का खाता जरूर खोलिए जीवन में। मुहब्बत के जज्बे को संकीर्ण न होने दीजिए। एक हाथ मुहब्बत का आगे बढ़ाइए, देखिए सौ हाथ आगे बढ़ कर आपका हाथ थाम लेंगे। तब आप भी नीरज की तरह कह उठेंगे, *'एक नहीं, दो नहीं, करोड़ों साझी मेरे प्यार में।'* *

प्रेमारंभ की प्राचीन मान्यता

प्रेम की भावना यों तो हर किसी में इनबिल्ट होती है, पर सदियों पुरानी कहानी है, जब ईडन गार्डेन में आदम ने दो पक्षियों, दो पशुओं को आपस में अभिसार-मुद्रा में देख ईश्वर से पूछा कि यह क्या है? तो ईश्वर ने कहा यह प्रेम है। ये सभी प्रेम में आबद्ध हैं। तब उदास होकर आदम ने कहा मेरे जीवन में तो कोई है ही नहीं। मैं किससे प्रेम करूं? ईश्वर ने कहा, 'तुम प्रतीक्षा करो कल तक।' कुछ देर में आदम को वहीं एक पेड़ के नीचे गहरी नींद आ गई। जगा तो उसे एक सुंदरी दिखी। वह उसके प्रेम के वशीभूत हो बैठा। प्रेम के इस वर्जित फल को चखने का परिणाम ही है यह सृष्टि।

महान हस्तियों के यादगार प्रेम पत्र

आज के दौर में प्रेमी युगल को भले ही अपनी फीलिंग प्रकट करने के लिए पत्र लिखने की जरूरत नहीं रह गई है। लेकिन प्रेम पत्र लिखने का दौर भी बहुत खूबसूरत रहा है। कई प्रसिद्ध हस्तियों के पत्र तो आज भी हर प्रेम करने वाले के लिए किसी धरोहर से कम नहीं हैं।

{ अहसास / डॉ. अनिता राठौर }

जब से मैंने आपके बारे में सुना है, मेरे प्रभु! मैं आपकी ओर पूरी तरह से आकर्षित हो गई हूं। कृपया शिशुपाल से मेरे विवाह से पहले अवश्य आएं और मुझे ले जाएं। अगर आप मुझ पर यह कृपा नहीं करते हैं, तो मैं उपवास और कठोर व्रतों का पालन करके अपना जीवन त्याग दूंगी। तब शायद अगले जन्म में मैं आपको प्राप्त कर सकूंगी।' यह संसार का संभवतः सबसे पहला प्रेम पत्र है, जो रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण को लिखा था। यह पत्र हमें श्रीमद्भागवतम के सर्ग 10 के अध्याय 52 में मिलता है।

पत्रों में व्यक्त होती थीं भावनाएंः जब कॉल्स व इंस्टेंट मैसेजिंग का दौर नहीं था। तब प्रेमी अपने इश्क का इजहार करने के लिए अपने जज्बात शब्दों में पिरोकर कागज पर अंकित कर दिया करते थे। चिट्ठियों का वो दौर भी क्या दौर था कि प्रेमी या प्रेमिका के लिए दिल की गहराइयों से निकले हुए सुनहरे अल्फाज साहित्य की अमर कृतियां बन गई हैं।

कैफी आजमी-शौकतः बीस दिन गुजर चुके थे और शायर कैफी आजमी को अपनी प्रेमिका शौकत (बाद में पत्नी) की कोई खबर नहीं मिली थी। उन्हें लगा कि शौकत उनसे किसी बात पर नाराज हो गई हैं। उन्हें मनाने के लिए रात में 1 बजे कैफी ने अपने खून से एक प्रेम पत्र लिखा, 'तुम्हें लिखने के बाद मैंने लिफाफे को बंद किया और बिस्तर में चला गया यह सोचते हुए कि कुछ नींद आ जाएगी, लेकिन नींद नहीं आई। मैंने तुम्हारे पिछले खत को फिर पढ़ा और अपने आंसू रोक न सका। शौकत, ये मेरी बदकिस्मती है कि तुम्हें मुझ पर या मेरे प्यार पर यकीन नहीं है। कुछ दिन से मैं कुछ नहीं सोच रहा हूं, सिवाय इसके कि तुम्हें किस तरह से यकीन दिलाऊं कि मैं तुमसे प्यार करता हूं। मैंने एक ब्लेड से अपनी कलाई पर गहरा घाव कर लिया है और अब अपने खून से तुम्हें खत लिख रहा हूं। महीनों मैंने अपने प्यार के लिए आंसू बहाए हैं और अब मैं खून बहा रहा हूं। मुझे नहीं मालूम हमारा भविष्य क्या है। मोती (शौकत का प्यार का नाम), मुझे बहुत गहरा सदमा लगा है। तुम ये कैसे लिख सकती हो- 'अब मैं जान गई हूं कि उसकी आंखें मुझ पर नहीं हैं बल्कि किसी और पर हैं, जो उसे समझती नहीं है, न ही वह उसे समझना चाहती है?' इन शब्दों को वापस ले लो, शौकत, और मेरे प्यार का मजाक मत उड़ाओ। अगर तुम मेरे लिए कुछ नहीं कर सकती, तो कोई बात नहीं। तुम्हें प्यार करते ही मैं जान गया था कि मेरे लिए कोई उम्मीद नहीं है। खुदा मेरी हिफाजत करेगा। तुम्हें मेरे प्यार पर, मेरे इरादे पर शक है कि मैं तुमसे शादी करूंगा या नहीं। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि एक दिन मैं तुम्हे और दुनिया को साबित कर दूंगा कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूं। मेरी शौकत, मेरा और मेरे प्यार का क्या होगा। हम तुम एक दूसरे से इतनी दूर हैं कि तुम्हारे लिए मेरे दर्द को देखना मुमकिन नहीं है। अगर तुम्हें मेरी कोई बात बुरी लगी हो तो मुझे माफ कर देना। प्यार और ढेर सारा प्यार, तुम्हारा कैफी।'

शौकत के साथ कैफी आजमी

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉने

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉनेः रोमांटिक कवि जॉन कीट्स की प्रेमिका फैनी ब्रॉने ने उनके प्रेम पत्र पढ़कर लिखा था, 'मुझे वह शब्द मत लिखो, जिनसे तुम्हारा ज्ञान-काबिलियत प्रकट होती हो, बल्कि वह अल्फाज लिखो जो तुम्हारे दिल की गहराइयों से निकले हों।' इसके बाद कीट्स ने अपने प्रेम पत्रों की शैली बदल दी थी और अपने दिल के जज्बात कागज पर बयान करने लगे थे। एक बानगी देखिए, 'तुम हमेशा नई लगती हो। तुम्हारा पिछला चुंबन सबसे अधिक मीठा था, तुम्हारी पिछली मुस्कान सबसे अधिक चमक लिए हुए थी, तुम्हारा नागिन की तरह पिछला चलने का अंदाज सबसे अधिक दिलकश था। जब कल तुम मेरी खिड़की के पास से गुजरी थीं तो मेरे प्यार भरे जज्बात वैसे ही उमड़े थे, जैसे तुम्हें पहली बार देखने पर उमड़े थे। अगर तुम मुझसे प्यार न भी करतीं तो भी मेरा प्यार सारी उम्र तुम्हें ही समर्पित रहता।'

व्लादिमीर नबोको-वेराः व्लादिमीर नबोकोव की वेरा से पहली मुलाकात 1921 में हुई थी। व्लादिमीर के वेरा के लिए पत्र अपनी पूर्णता में यादगार हैं। एक पत्र में उन्होंने लिखा है, 'मेरी कोमल कली, मेरी खुशी, मैं तुम्हारे लिए क्या शब्द लिखूं? यह कितना अजीब है कि मेरा जीवन कार्य कागज पर कलम चलाना है, लेकिन मैं यह नहीं जानता कि तुम्हें कैसे बताऊं कि मैं तुम्हें प्यार करता हूं। ऐसी उत्तेजना और ऐसी दैविक शांति पिघलता बादल धूप में गुम होते हुए खुशी का पहाड़ और मैं तुम्हारे साथ तैर रहा हूं। तुम में, जलता, पिघलता और पूरा जीवन तुम्हारे साथ बादलों की गति जैसा है, उनका हवाई, शांत गिरना, उनका हल्कापन कोमलता और रंग भरी आसमानी विविधता-मेरा प्रेम। मैं इस एहसास को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।' *

{ प्रेम-गीत / विनोद श्रीवास्तव }

प्यास को मानसरोवर दिया

बंजर ही बंजर था
किसने हरा-भरा कर दिया
प्यास को मानसरोवर दिया।
अग्निशरों से बींध-बींधकर
छलनी कर दी काया
फेंक दिया तपती धरती पर
मांग रहा था छाया।
पतझर ही पतझर था
किसने फूलों का घर दिया
अधर पर वंशी को धर दिया।
मंदिर-घाट-हाट-मेले की
सुधियां हैं गहराईं
उजड़े डेरे सोच-सोचकर
आंखें हैं भर आईं।
अक्षर ही अक्षर था
किसने प्राणों को स्वर दिया
कंठ को गीतों से भर दिया।

{ व्यंग्य / राकेश सोहम }

वैलेंटाइन डे पर हुई मुसीबत

वैलेंटाइन डे के दिन जब वे अपनी पत्नी के साथ टहलने पहुंचे। जब चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

इधर 'वैलेंटाइन डे' का त्यौहार सिर पर है और दिमाग का दही हुआ पड़ा है। यह दिवस एक देशव्यापी त्यौहार बन गया है, जो प्रति वर्ष नियत तिथि पर मनाया जाता है। यह अनोखा त्यौहार बाजारों में भारी चमक-दमक के साथ आता है, लेकिन मनाने में दम निकल जाता है। कई लोगों को हर्षोल्लास की बजाय चोरी-छिपे मनाना पड़ता है। उपहारों का आदान-प्रदान गोपनीय रखना पड़ता है।

गो कि मिठाई चुपके से 'गप' कर लो और चबाते हुए मुंह चलाने का पता भी न चले। युवा अपने अभिभावकों से मुंह छिपाए घूमते हैं। वे घरों से निकलते हैं, अपनी वैलेंटाइन के लिए उपहार खरीदते हैं और उपहार को निपटा कर ही वापस लौटते हैं। बेचारे उम्रदराज, बड़ी उलझन में होते हैं। अधिकार प्राप्त निजी वैलेंटाइन के साथ भी मुश्किल में पड़ जाते हैं।

मेरे जैसे सठिया, खूसठों के द्वारा यह त्यौहार मनाना तो दूर, कुछ सूझता तक नहीं है! वैलेंटाइन डे की बात सूझने मात्र से पत्नी जी का मुंह सूज जाने का भय बना रहता है। उसे दुनिया की सभी स्त्रियों में वैलेंटाइन दिखाई देने लगती है। घर के दरवाजे पर आई बेचारी सेल्स गर्ल अपने उत्पाद के बारे में कुछ बताए, इसके पूर्व पत्नी इतना उत्पात मचा देती है कि वह पतली गली से भाग निकलती है।

एक वाकया याद आ रहा है। पिछले साल हुआ यों कि 'वैलेंटाइन डे' पर अपनी असली पत्नी के साथ 'टहलू पार्क' में टहलने गया था। हम चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए बोला, 'क्या हो रहा है यहां?'

मैंने शादी के बाद बची-खुची अकड़ समेटकर कहा, 'क्या मतलब है जी आपका?'

उसने आंख मारते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

मुझे क्रोध आया, 'हम थक गए थे। अब बैठे सुस्ता रहे हैं।'

वह जोर से हंसा, 'अरे उम्र का लिहाज करो। थकाने वाले काम करते क्यों हो?'

मुझे उसका मंतव्य समझ आ गया, अतः हाथ जोड़कर कहा, 'टहलते हुए थकान हो गई थी इसलिए बैठे हैं, अभी चले जाएंगे।'

मेरी बात समाप्त होते ही वह तपाक से बोला, 'किसके साथ बैठे हो?'

मैंने सीना ठोक कर कहा, 'पत्नी के साथ?'

उसने पत्नी जी को देखा। फिर मुझे देखा और बोला, 'किसकी पत्नी?' दरअसल, पत्नी जी अब भी पुरानी कविता सी दिखती हैं और मैं आज के व्यंग्य जैसा बिखरा-बिखरा खड़स हो गया।

मैंने पत्नी जी का हाथ पकड़ा और अकड़ते हुए जवाब दिया, 'मैं अपनी पत्नी के साथ हूं, समझे।'

वह पुलिसिया डंडा घुमाते हुए बोला, 'हम कैसे मान लें?'

फिर हम दोनों के हाथ पर डंडा रख दिया। मुझे अपने 'आधार' की ताकत याद हो आई। मैंने अपने कुर्ते की जेब से दोनों के आधार कार्ड निकाल कर उसकी हथेली पर पटक दिए। वह डंडे को अपनी बगल में दबाए पैर फैला कर खड़ा हो गया और कार्ड्स में छपे छाया चित्रों से हमारी सूरतें मिलाने लगा। फिर दूसरे हाथ से टोपी के अंदर अपनी खोपड़ी खुजलाते हुए बोला, 'तुम्हारी सूरत को ठीक मान भी लें... पत्नी जी की सूरत मेल नहीं खा रही!'

मुझे 'आधार' निराधार लगने लगा। हालांकि, भ्रम हमें भी था कि हमारे आधार कार्ड में छपी सूरतें हमारी ही हैं!

तभी पार्क से हमारे पड़ोसी के बच्चे की आवाज आई, 'अरे! अंकल-आंटी आप लोग यहां हैं, मैं कब से आप लोगों को ढूंढ़ रहा हूं। घर में ताला पड़ा है और जीनू भैया आप लोगों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

हम दोनों बिना कुछ कहे घर की ओर चल दिए। सुरक्षा कर्मी डंडा घुमाते हुए आगे बढ़ गया। मैंने चलते हुए पत्नी जी से कहा, 'तुम तो कभी मेकअप करती नहीं। लेकिन फोटो खिंचाते समय क्या लिपस्टिक लगाना जरूरी है? बेचारा! सुरक्षाकर्मी कन्फ्यूज हो गया था।'

पत्नी जी ने कनखियों से मुझे देखा, 'मैं हूं ही इतनी सुंदर।'

मैंने उनके कदम से कदम मिलाते हुए कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन डे।' वो मुस्कुरा दीं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

प्रेम में भीगी कविताएं

सुपरिचित कवयित्री-समालोचक डॉ.रचना तिवारी का नया कविता संग्रह 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' हाल में प्रकाशित होकर आया है। हालांकि इस संग्रह में आदिवासी महिलाओं के जीवन का संघर्ष, कोविड की विभीषिका से उपजे मार्मिक दृश्य, स्त्रियों की आकांक्षा और उनके द्वंद्व समेत जीवन की बहुरंगी अनुभूतियों को कई कविताओं में पिरोया गया है। लेकिन संग्रह में संकलित कविताओं का मूल स्वर प्रेमानुभूति से उपजा है। यहां उन्होंने प्रेम की कोमल अनुभूतियों को बहुत संजीदगी से व्यक्त किया है। *'तुम लिख दो मुझे/यहां से वहां तक / जिस की सड़क/मेरे इस छोर से/तुम्हारे उस छोर तक जाती हो।'* (तुम लिख दो मुझे) संग्रह की शीर्षक कविता 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' में वह लिखती हैं, *'वे नहीं होते/साथ चलने के लिए/वे वनवास काटते हुए/अनकहे और अनसुने रहने के लिए होते हैं/वे एक दूसरे के पूरक होते हुए भी/अधूरे रहने के लिए होते हैं।'* कहने की जरूरत नहीं कि प्रेम पर अब तक असंख्य कविताएं लिखी जा चुकी हैं लेकिन प्रेम में भीगी ये कविताएं, उन प्रेम कविताओं में अलग से पहचान बनाने में सक्षम हैं। *

पुस्तकः कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते, लेखिकाः डॉ. रचना तिवारी, मूल्यः199 रु, प्रकाशकः सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

{ बदलाव / लोकमित्र गौतम }

प्रेम अब पूरी तरह डिजिटल हो चुका है। डिजिटल प्रेम के नए स्वरूप से एक ओर जहां प्रेमियों को आपस में संपर्क बनाए रखना आसान हो गया है, वहीं प्रेम संबंधों ने जाति, धर्म और देश की सीमाओं को भी पार कर दिया है। डिजिटलाइजेशन ने प्रेम के स्वरूप को कैसे बदल दिया, इससे ग्रामीण भारत के युवाओं में क्या बदलाव आए हैं, यह जानना दिलचस्प है।

हर कहीं लिखी जा रही हैं डिजिटल प्रेम की दास्तानें

पिछली सदी के 90 के दशक के मध्य में आया मोबाइल और इस 21वीं सदी में हुई डाटा क्रांति ने गांव और शहर के बीच की दूरियां बहुत हद तक मिटा दी हैं। सोशल मीडिया ने एक झटके में 90 से 95 फीसदी तक दोनों के बीच गैप को पाट दिया है। आज जिस तरह शहर की युवा पीढ़ी मोबाइल से चिपकी रहती है, उसी तरह से गांवों की युवा पीढ़ी को भी मोबाइल का रोग लग चुका है। गांव और शहर की जीवनशैली में पहले इतनी ज्यादा समानता कभी नहीं थी, जब तक मोबाइल क्रांति नहीं हुई थी और सोशल मीडिया के तूफान ने हमारे खान-पान और पहनने से लेकर सोचने-समझने तक की दुनिया में इतना हस्तक्षेप नहीं किया था। आज कोई ऐसा फैशन नहीं है, जो मोबाइल और सोशल मीडिया के जरिए शहरों के साथ-साथ गांव न पहुंचता हो। नई-नई आदतें, नई-नई भाषाई अभिव्यक्तियां और जाहिर है, नए-नए इमोशन भी अब गांवों और शहरों के युवाओं के बीच एक से हो गए हैं।

हर कहीं वैलेंटाइन का उत्साह

यह अकारण नहीं है कि आज के दौर में महानगरों से ज्यादा वैलेंटाइन-डे जैसे मौकों पर उत्साह, ग्रामीण युवाओं में देखा जाता है। सोशल मीडिया ने सबसे ज्यादा गांवों की नई पीढ़ी को ही प्रभावित किया है और जाहिर है, यह प्रभाव उन मामलों में सबसे ज्यादा पड़ा है, जिनमें एक जमाने तक गांवों और शहरों में स्पष्ट दूरियां थीं यानी प्रेम और शादियां। मोबाइल क्रांति और सोशल मीडिया के उभार के बाद ग्रामीण समाज विशेषकर प्रेम और शादियों को लेकर एक नए तरह के बदलाव से गुजर रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि मोबाइल ने गांवों में विशेष तौर पर पुरानी और नई पीढ़ी के बीच सबसे ज्यादा सांस्कृतिक तनाव पैदा कर दिया है। इसलिए देखने वाली बात यह है कि वैलेंटाइन-डे जैसे मौके और इन मौकों से जुड़ी भावनाओं ने आखिर ग्रामीण समाज में किस तरह की उथल-पुथल मचा दी है।

प्रेम-विवाह से आए नए तनाव

80 के दशक तक हिंदुस्तान में जहां इंडिया और भारत जैसे एक दूसरे से काफी दूर-दूर दो पहचानें, साथ-साथ अस्तित्व में थीं, इंटरनेट और मोबाइल के बाद भारत और इंडिया के बीच निःसंदेह एक झटके में दूरियां घटी हैं, लेकिन इन दूरियों के घटने का नतीजा भारी तनाव के रूप में सामने आया है। भारत के गांव जो कभी पारंपरिक रीति-रिवाजों और सामुदायिक नियंत्रण से संचालित होते थे, अब मोबाइल तकनीक के चलते वैयक्तिक निर्णयों के दौर से गुजर रहे हैं। मोबाइल फोन ने पहली बार ग्रामीण युवाओं को ही नहीं महिलाओं को भी जबर्दस्त स्वतंत्रता दी है और उनकी यह आजादी बहुत सारे फैसलों में साफ-साफ दिखती है। लेकिन सबसे बड़ा तनाव जिस एक वजह से पैदा हुआ है, वह मोबाइल के चलते युवाओं को हासिल हुई प्रेम करने की सुविधा और ग्रामीण समाज में उस प्रेम को विवाह के रूप में परिवर्तित होने में पैदा की जा रही बाधाओं ने बहुत भारी तनाव पैदा कर दिया है। ऐसी खबरें कम ही आती हैं कि मोबाइल क्रांति के बाद गांवों में युवाओं के बीच प्रेम और प्रेम विवाह किस तरह से लड़ाई-झगड़े यहां तक कि मारपीट और रंजिश का बड़ा कारण बनकर उभरे हैं। हाल के सालों में गांवों में 40 फीसदी से ज्यादा युवा साफ-साफ अपने मन की शादी करने और प्रेम करने की आजादी का इजहार कर चुके हैं और उनकी दो-तीन पीढ़ियों के पहले वाले मां-बाप इस सबको स्वीकार करने के जबर्दस्त तनाव में है, जिससे नए तरह के अपराध घटित हो रहे हैं।

खुलने लगे इंटरनेशनल अफेयर के दरवाजे

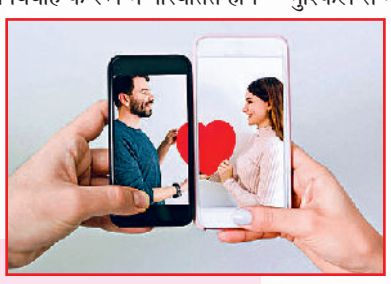

आज शहरी और ग्रामीण प्रेम में बहुत फर्क नहीं रह गया है, क्योंकि दोनो ही जगह 90 फीसदी प्रेम, मोबाइल और व्हाट्सएप के जरिए हो रहा है। इसलिए उनके नतीजे एक जैसे हैं। जिस तरह आज शहर डिजिटल प्रेम में कसमसा रहे हैं, उसी तरह से गांवों में भी डिजिटल प्रेम पारंपरिक मासूमियत को टाटा कर रहा है। एक जमाना था, जब गांवों में प्रेम-प्रसंग के लिए बहुत मुश्किल से मौके मिलते थे। क्योंकि पूरा का पूरा ग्रामीण समाज ही एक तरह से प्रेम के विरोध में निगरानी पर डटा रहता था। लेकिन अब मोबाइल फोन, व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम ने गांवों के युवाओं को भी न सिर्फ प्रेम के इजहार की खुली दुनिया मुहैया कराई है बल्कि अब गांव के युवा भी शहरी लड़कियों से ही नहीं बल्कि सुदूर देशों की लड़कियों से भी इश्क लड़ा रहे हैं। हाल के दिनों में बिहार के गांवों में ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका से आकर लड़कियों ने जिस तरह से शादियां की हैं और भारत तथा पाकिस्तान के बीच सब तरह की राजनीतिक रस्साकशी के बाद जिस तरह से दोनों ही देशों में एक-दूसरे के यहां से लड़कियां बगावत करके शादी के लिए पहुंच रही हैं, उससे मानना ही पड़ेगा कि डिजिटल युग के इस प्रेम में किसी तरह की निगरानी कामयाब नहीं हो रही है। *

हर कहीं होती है चैटिंग-स्नैपिंग

पहले प्रेम चोरी-चोरी, चुपके-चुपके होता था। फिर उससे आगे पत्र व्यवहार के जरिए भी चोरी छुपे ही आगे बढ़ता था। प्रेमी एक दूसरे तक अपने प्रेम पत्र पहुंचाने के लिए जान पर खेलकर नई- नई तकरीबें ढूंढ़ते थे। लेकिन अब एक झटके में इस सबकी जरूरत खत्म हो गई है। अब सीधे, चैटिंग, वीडियो कॉलिंग और स्काइ स्नैपिंग का दौर है। जिस पर कोई भी पहरा कारगर नहीं है। यही कारण है कि पहले गांव में जहां स्वतः युवा पीढ़ी प्रेम संबंध बनाते समय अपनी जातियों और धर्मों का ख्याल रखती थी, वहीं अब ये सारी सीमाएं एक झटके में टूट गई हैं और अंतर्जातीय और अंतर्धार्मिक प्रेम संबंध खूब बढ़ रहे हैं।

प्रेम कहानियों में एक-दूसरे को संदेश पहुंचाने के लिए कबूतरों का जिक्र आता ही है। आज के डिजिटल दौर में पलक झपकते ही प्रेमी-प्रेमिका अपना संदेश पहुंचा लेते हैं लेकिन सदियों से कबूतरों का संदेशवाहक के रूप में प्रयोग किया जाता रहा है।

सदियों तक रहा प्रेमियों का संदेशवाहक कबूतर

{ रोचक / के. पी. सिंह }

फरवरी माह आते ही सदियों तक प्रेमियों के संदेशवाहक रहे कबूतरों की याद आने लगती है। कबूतर और स्वान पक्षियों की चर्चा हमेशा प्रेम आख्यानों के साथ जुड़ी रही है, क्योंकि ये प्रेम और वफादारी के प्रतीक माने जाते हैं।

कबूतरों में होती है विलक्षण क्षमताः इंसान ने सदियों पहले कबूतरों के साथ एक कम्युनिकेशन सिस्टम विकसित किया था, जिसे 'हॉमिंग पिजन कम्युनिकेशन' कहा जाता था। वास्तव में यह संचार व्यवस्था, कबूतरों की दिशा पहचानने के मामले में अद्भुत क्षमता के कारण विकसित हुई। कबूतरों में घर लौटने की अद्भुत क्षमता होती है। इसे 'हॉमिंग इंस्टिंक्ट' कहते हैं। हालांकि आधुनिक बेतार संचार व्यवस्था के उच्च स्तर पर विकसित होने के कारण अब दुनिया में हॉमिंग पिजन कम्युनिकेशन का इस्तेमाल करीब-करीब खत्म हो चुका है, लेकिन कहीं-कहीं लोग शौकिया तौर पर और कहीं कहीं विशिष्ट तकनीक के रूप में इसका इस्तेमाल करते हैं। हालांकि वैज्ञानिक शोधों से पता चलता है कि कबूतरों में आज भी संदेशवाहक बनने की क्षमता मौजूद है। कबूतरों के दिमाग में 'मैग्नोरिसेप्टर' मौजूद होता है, जिससे वे पृथ्वी के चुबंकीय क्षेत्र को समझ पाते हैं और लंबी दूरी तक सही दिशा की पहचान कर सकते हैं। यही नहीं कबूतर सूरज की स्थिति और वातावरण में गंध का उपयोग करके भी रास्ता पहचानते हैं। इसका सबूत ये है कि किसी कबूतर को अगर एक जगह लंबे समय तक रखकर पाला जाए, तो उसे कितने ही अजनबी ढंग से किसी अंजान जगह में छोड़ दीजिए, वह अपने पुराने स्थान पर हर हाल में लौट आएगा।

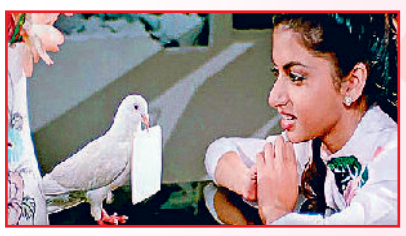

फिल्म 'मैंने प्यार किया' के गीत का एक दृश्य

सदियों से निभाते रहे हैं संदेशवाहक की भूमिकाः हालांकि यह ठीक-ठीक कहीं तथ्य के रूप में दर्ज नहीं है कि पहली बार कबूतरों को संदेशवाहकों के रूप में किस देश ने और कब प्रशिक्षित किया, लेकिन तीन हजार साल पहले के ऐतिहासिक दस्तावेजों को देखें तो मेसोपाटामिया, मिस्र और फारस में ऐसे साक्ष्य मिलते हैं कि लोग कबूतरों का इस्तेमाल निजी संदेश पाने और भेजने के लिए किया करते थे। प्राचीन मिस्र की चित्रलिपि 'हायरोग्लिफिक्स' में कबूतरों के ऐसे चित्र और उनके उल्लेख ईसा के 2900 वर्ष पूर्व के मौजूद हैं। इससे पता चलता है कि करीब 5000 साल पहले लोग कबूतरों का इस्तेमाल संदेश भेजने और पाने के लिए किया करते थे। मिस्र की तरह ही यूनान में भी करीब 2700 साल पहले ओलंपिक खेलों के विजेताओं की घोषणा करने के लिए एथेंस से दूसरे विभिन्न शहरों के लिए कबूतरों को खिलाड़ियों की सूची के साथ भेजा जाता था। माना जाता है कि करीब 1900 साल पहले जूलियस सीजर की सेना कबूतरों का सैन्य संदेश भेजने और पाने के लिए उपयोग करती थी। अगर भारत की बात करें तो मुगलों के दौर में खासकर अकबर और औरंगजेब कबूतरों के जरिए अपने मित्रों को संदेश भेजने और उनसे संदेश पाने के लिए किया करते थे। वे इन्हें हवाबाज कहते थे।

फिल्मों में भी किया इस्तेमालः बॉलीवुड फिल्म 'मैंने प्यार किया' में 'कबूतर जा जा जा..' जैसा गाना विशुद्ध रूप से किसी शायर की कल्पना नहीं बल्कि देश के कई हिस्सों में अभी भी निजी तौर पर कबूतरों के माध्यम से प्रेम संदेश भेजने की यह व्यवस्था बनी हुई है, लेकिन इनका कोई रिकॉर्ड नहीं रखा जाता।

आज भी किया जाता है उपयोगः ऐसी भी बात नहीं है कि पश्चिमी देश, जहां सारी आधुनिक कम्युनिकेशन तकनीक विकसित हुई है, वहां कबूतरों की खासियत कोई जानता ही न हो। सच तो यह है कि आज भी ब्रिटेन और अमेरिका की सेना में आपदा राहत अभियानों के दौरान दर्जनों प्रशिक्षित कबूतरों का इधर से उधर संदेश भेजने और पाने में इस्तेमाल किया जाता है। चीन में तो कुछ दशकों पहले तक इनकी बकायदा एक सैन्य टुकड़ी ही हुआ करती थी, जो पीपुल्स आर्मी को मदद करती थी। फ्रांस में भी कुछ पुरानी सैन्य ईकाईयों में आज भी इनका उपयोग होता है। *

नहीं भूल सकते वो प्यारे पल

{ एक्सप्रेशंस }

किसी से प्यार होना बहुत ही खूबसूरत अहसास है। पहली मुलाकात फिर दोस्ती, इसके बाद प्यार और शादी। इस सुहाने सफर में यादगार पल भी होते हैं। नामचीन टीवी आर्टिस्ट्स बयां कर रहे हैं अपने वो खूबसूरत अहसास। साथ में यह भी बता रहे हैं कि उन्हें अपने पार्टनर से कितना प्यार है?

दोस्ती सच्चे प्यार की नींव होती है राधिका मुथुकुमार

शेमारू उमंग के शो 'मैं दिल तुम धड़कन' में वृंदा का किरदार निभा रहीं राधिका मुथुकुमार अपने जीवन में प्यार को बहुत महत्व देती हैं। जीवन साथी अभिषेक अय्यर से अपनी पहली मुलाकात, प्यार और शादी के बारे में वह मंद-मंद मुस्कुराते हुए बताती हैं, 'हमारी अभिषेक से पहली मुलाकात शादी से करीब एक साल पहले 2019 में मुंबई में हुई थी। हालांकि इससे पहले हम फोन पर और मैसेज के जरिए बात करते थे। मुलाकात के बाद धीरे-धीरे पहले दोस्ती हुई, यह दोस्ती प्यार में बदल गई। बाद में हम शादी के अटूट बंधन में बंध गए। मुझे लगता है कि वैवाहिक रिश्ते में बंधने से पहले दोस्त बनना जरूरी है, क्योंकि सच्चे प्यार की नींव दोस्ती पर ही टिकती है।' अपने पार्टनर के साथ अपनी बॉन्डिंग और साथ बिताए खूबसूरत पलों के बारे में राधिका बताती हैं, 'मेरा अपने पार्टनर के साथ बिताया प्यार भरा कोई एक पल खास नहीं है, हमारे प्यार का हर पल खास है। मैं अपने प्यार के हर पल को दिल में सहेजकर रखती हूं। अभिषेक के साथ हमारा रिश्ता इसलिए मजबूत है, क्योंकि हमारे बीच गहरी दोस्ती है। हमारी दोस्ती में एक पारदर्शिता होती है। अभिषेक मेरी बहुत परवाह करते हैं, वह मुझसे बहुत ज्यादा प्यार करते हैं, मैं भी उन्हें बेइंतहा प्यार करती हूं।' *

नताशा मेरी सबसे बड़ी ताकत है : आदित्य रेडिज

सोनी सब चैनल के शो 'तेनाली रामा' में कृष्ण देव राय का रोल प्ले कर रहे आदित्य रेडिज की अपनी वैलेंटाइन नताशा शर्मा से पहली मुलाकात उनके पहले शो के प्रोड्यूसर के साथ मीटिंग के समय हुई थी। आदित्य बताते हैं, 'मैं जब प्रोड्यूसर के केबिन में दाखिल हुआ तो नताशा बैठी थी। उसकी मौजूदगी में कुछ तो ऐसा था, जो मुझे अपनी ओर खींच रहा था। किस्मत से हम दोनों उस शो के लीड कपल के तौर पर फाइनल हुए। वक्त के साथ हमने एक-दूसरे को समझा, इसके बाद हम शादी के अटूट बंधन में बंध गए।' आदित्य आगे बताते हैं, 'जहां तक नताशा के साथ किसी यादगार लम्हे की बात है तो वो है, हमारे बेटे आर्यांश के जन्म का दिन। जब पहली बार मैंने और नताशा ने उसे एक साथ अपने हाथों में लिया। वो एहसास, वो खुशी हम दोनों के दिल में हमेशा बसी रहेगी। इस वैलेंटाइन-डे पर मैं नताशा से कहूंगा, वो सिर्फ मेरी पत्नी ही नहीं है, मेरी सबसे बड़ी ताकत और मार्गदर्शक भी है।' *

हमारा रिश्ता जादुई प्रेम कहानी जैसा है : आयुषी खुराना

जी टीवी के शो 'जाने अंजाने हम मिले' में रीत चौधरी का रोल निभा रहीं आयुषी खुराना और सूरज कक्कड़ की शादी को अभी कुछ ही महीने बीते हैं। सूरज से पहली मुलाकात और अपने रिश्ते के बारे में आयुषी बताती हैं, 'सूरज और मैं पहली बार एक एपिसोडिक शो के सेट पर मिले थे। शुरुआत में हमारे बीच हल्की-फुल्की नोक-झोंक, फ्लर्टिंग और मजाक-मस्ती होती रहती थी। लेकिन धीरे-धीरे हमारे गहरे रिश्ते बन गए और बाद में हमारी शादी हो गई। आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो यह सच में एक जादुई प्रेम कहानी लगती है।' आयुषी अपने प्यार से जुड़े कुछ यादगार पल साझा करती हैं, 'हम एक गांव में शूटिंग कर रहे थे। सूरज को शेव करनी थी, लेकिन वहां आस-पास शीशा रखने या टिकाने की कोई जगह नहीं थी। तब मैंने उनके लिए शीशा पकड़ा। सूरज ने मुझसे कहा- जिस पल तुमने मेरे लिए वह शीशा पकड़ा, उसी पल मुझे तुमसे प्यार हो गया। सच, वह पल हमारे लिए बेहद खास था।' *

मैं अपनी पत्नी से बेइंतहा मोहब्बत करता हूं : आशीष दीक्षित

सन नियो के लोकप्रिय शो 'छठी मैया की बिटिया' में कार्तिक का किरदार निभा रहे आशीष दीक्षित अपनी वैलेंटाइन श्वेता कनोजे से पहली मुलाकात को याद करते हुए बताते हैं, 'श्वेता से मेरी पहली मुलाकात बड़ौदा के राजवंत पैलेस में एक हॉरर फिल्म के सेट पर हुई थी। वहीं से हमारी दोस्ती की शुरुआत हुई। मुंबई लौटने के बाद हमने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। करीब तीन साल तक एक-दूसरे को जानने-समझने के बाद हमें अहसास हुआ कि हमारा प्यार इतना मजबूत है कि हमें शादी कर लेनी चाहिए। अपनी पार्टनर के साथ किसी यादगार रोमांटिक मोमेंट के बारे में पूछने पर आशीष बताते हैं, 'मैं एक शो शूट कर रहा था। उस दौरान मुझे करीब चार-पांच दिन की छुट्टी मिली थी। मैंने और श्वेता ने सोचा कि इस समय को खास बनाया जाए, इसलिए हम गोवा घूमने चले गए। वहां बिताया हुआ हर पल अनोखा था! समंदर किनारे टहलना, कैंडल लाइट डिनर, रोमांटिक शामें और ढेर सारी मस्ती, न कोई टेंशन थी, न कोई भागदौड़... हर लम्हा बेहद खास था। सच कहूं, तो मैं अपनी पत्नी से बेइंतहा मोहब्बत करता हूं।' *

सायक का साथ मेरे लिए अनमोल है : विदिशा श्रीवास्तव

एंड टीवी के पॉपुलर शो 'भाबी जी घर पर हैं' में अनीता मिश्रा के रोल में दिख रहीं विदिशा श्रीवास्तव की अपने हमसफर सायक पॉल के साथ पहली मुलाकात शो के सेट पर ही हुई थी। विदिशा बताती हैं, 'पहले हमारे बीच सिर्फ हल्की-फुल्की बातें होती थीं, फिर बाद में यह बातचीत लंबी चलने लगी। हम एक-दूसरे की पसंद-नापसंद समझने लगे। हमारी सोच, हमारे विचार और जीवन को देखने का नजरिया काफी हद तक मिलता-जुलता था। जब भी हम साथ होते, सब कुछ बहुत खुशनुमा लगने लगता। यहीं से हमारी दोस्ती ने प्यार का खूबसूरत सफर तय करना शुरू कर दिया।'

अपनी लव-लाइफ के खूबसूरत मोमेंट्स को याद करती हुई विदिशा कहती हैं, 'जो लम्हा मेरे दिल के सबसे करीब है, वह मेरी बेटी के जन्म का है। जब मैं मां बनी, उस समय सायक पूरे समय मेरे साथ रहते थे। उस पल उनकी आंखों में जो प्यार और अपनत्व था, वह मैं कभी नहीं भूल सकती। मेरे हर दर्द, हर खुशी में उन्होंने मेरा हाथ थामे रखा। मैं खुशनसीब हूं कि मुझे सायक जैसा हमसफर मिला। उनका साथ मेरे लिए बहुत अनमोल है।' *

प्रस्तुतिः हरिभूमि फीचर्स

{ बड़ा पर्दा / कैलाश सिंह }

लव स्टोरीज के जिक्र के बिना हिंदी फिल्मों का ब्योरा अधूरा ही रहता है। शुरुआती दौर से अब तक ऐसी बेशुमार फिल्में बनती रही हैं। लेकिन पिछले एक-डेढ़ दशक में कुछ ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनमें प्यार को बिल्कुल नए अंदाज में पेश किया गया। ऐसी ही पांच फिल्मों पर एक नजर।

5 ट्रेडिशनल लव स्टोरीज से इतर रोमांटिक फिल्में

दर्शकों को खूब भाया 'मनमर्जियां' का लव एंगल

एकतरफा प्यार पर बनी 'ऐ दिल है मुश्किल'

बॉलीवुड में प्यार और रोमांस पर आधारित जितनी फिल्में बनी हैं, उतनी किसी अन्य विषय पर नहीं बनीं। इनमें अधिकतर फिल्में प्रेम त्रिकोण पर, गरीब लड़का-अमीर लड़की या अमीर लड़का-गरीब लड़की, दो दुश्मन खानदानों के बच्चों के बीच प्रेम हो जाने जैसे विषयों के इर्द-गिर्द घूमती हैं। क्लासिकल प्रेम कथाओं जैसे, 'लैला-मजनू', 'सोनी-महिवाल', 'हीर-रांझा' आदि से इतर हाल के सालों में कुछ ऐसी फिल्में भी बनी हैं, जो दर्शकों के मन में ठहर गई हैं।

पर्दे पर दिखते हैं प्यार के नए स्वरूपः बदलते वक्त के साथ फिल्म मेकर्स ने अपनी फिल्मों में प्यार को बदलते दौर के अनुसार प्रेजेंट करने का भी प्रयास किया है। आधुनिक फिल्मकार अलग-अलग तरह से प्रेम को परिभाषित कर रहे हैं। उनका ये एक्सपेरिमेंट इतना रियलिस्टिक होता है कि कई बार दर्शक फिल्म के कैरेक्टर्स में अपना ही अक्स देखने लग जाते हैं।

मैरिड लव का अलग एंगल दिखाती दम लगा के हईशाः साल 2015 में रिलीज फिल्म 'दम लगा के हईशा' में मैरिड रोमांस का एक अलग ही एंगल दिखाया गया है। प्रेम (आयुष्मान खुराना) एक स्कूल ड्रॉप आउट है, जिसकी एक उच्च शिक्षित लेकिन ओवरवेट लड़की संध्या (भूमि पेडनेकर) से शादी हो जाती है। प्रेम को अपनी मोटी पत्नी पर शर्म आती है और वह उस पर फब्तियां कसता रहता है। इससे दोनों एक-दूसरे के करीब नहीं आ पाते हैं, फिर भी दोनों एक दौड़ में साथ हिस्सा लेने के लिए तैयार हो जाते हैं और इसी कोशिश में वह एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं।

साधारण लेकिन अर्थपूर्ण कहानी के साथ निर्देशक शरत कटारिया ने शानदार काम किया है। भूमि और आयुष्मान ने भी अपने-अपने अभिनय से प्रभावित किया है।

मनमर्जियां में दिखा प्यार का नया विजनः अनुराग कश्यप की यह फिल्म उनकी बाकी फिल्मों से कई मायने में अलग है। साल 2018 में रिलीज हुई 'मनमर्जियां' वैसे तो परंपरागत प्रेम त्रिकोण पर ही आधारित है, लेकिन इसे नए युग की प्रेम कथा के तौर पर प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में मुख्य भूमिकाएं तापसी पन्नू, अभिषेक बच्चन और विक्की कौशल की हैं। फिल्म में प्रेम और संबंधों का एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है, जो दर्शकों के दिलों को स्पर्श कर जाता है। 'मनमर्जियां' उस उलझन और उन भावनाओं को व्यक्त करती है, जो प्रेम में पड़े एक व्यक्ति के सामने आती हैं। रूमी (तापसी पन्नू) और विक्की (विक्की कौशल) को एक-दूसरे से प्यार है, लेकिन जब शादी की बात आती है तो विक्की के हाथ-पैर फूल जाते हैं, वह जिम्मेदारी उठाने से बचता है और इस विषय को टाल जाता है। रूमी जीवन में सैटल होना चाहती है, लेकिन जब वह देखती है कि उसका प्रेम तार्किक मंजिल (शादी) पर नहीं पहुंचने वाला है, तो वह अपने प्रेम का त्याग कर देती है और रोबी (अभिषेक बच्चन) से अरेंज मैरेज करने के लिए तैयार हो जाती है। विक्की के बारे में जानने के बावजूद रोबी रूमी से प्यार करने लगता है। इसके बाद की कहानी इस बात को लेकर आगे चलती है कि ये तीनों अपने-अपने प्रेम का किस तरह से सामना करते हैं?

एकतरफा प्यार की कहानी ऐ दिल है मुश्किलः हममें से शायद ही कोई हो, जिसे अपने जीवन में कम से कम एक बार एकतरफा प्यार न हुआ हो। करण जौहर की साल 2016 में रिलीज 'ऐ दिल है मुश्किल' एक तरफा प्रेम पर ही आधारित फिल्म है। इसमें मुख्य भूमिकाएं रणबीर कपूर, अनुष्का शर्मा, ऐश्वर्या राय बच्चन और फवाद खान की हैं। अयान (रणबीर कपूर) की अलिजेह (अनुष्का शर्मा) से दोस्ती फिर उससे प्रेम हो जाता है, लेकिन अलिजेह प्यार का कोई जज्बा महसूस नहीं करती है। अयान अपने एक तरफा प्रेम का किस तरह से सामना करता है, यही कहानी का निचोड़ है। यह फिल्म हमें रुलाती है, हंसाती है और इसके पात्रों से हमें प्यार हो जाता है, क्योंकि उनमें हम अपना ही रूप देख रहे होते हैं।

प्यार-खुशी-दिल टूटने की कहानी बर्फीः अनुराग बसु के निर्देशन में बनी फिल्म 'बर्फी' (2012) की कहानी इतनी सच्ची लगती है कि इसको जितनी बार भी देख लो दिल पिघल जाता है। यह फिल्म प्यार, खुशी और दिल टूटने से भरी हुई है। बर्फी (रणबीर कपूर) मूक-बधिर व्यक्ति है, जिसे श्रुति (इलियाना डिक्रूज) से प्यार हो जाता है, लेकिन सामाजिक दबाव के कारण श्रुति को किसी अन्य व्यक्ति से शादी करनी पड़ जाती है। वर्षों बाद श्रुति को मालूम होता है कि बर्फी, झिलमिल (प्रियंका चोपड़ा) से प्यार कर रहा है, जोकि एक ऑटिस्टिक लड़की है, तब वह अपने विवाह पर पुनःविचार करती है।

नॉनट्रेडिशनल-अट्रैक्टिव लव स्टोरी लुटेराः ओ हेनरी की कहानी 'द लास्ट लीफ' पर आधारित फिल्म 'लुटेरा' बनी है, जोकि बहुत परिपक्व प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है। आत्मानंद त्रिपाठी (रणवीर सिंह) एक जालसाज है और पाखी (सोनाक्षी सिन्हा) एक जमींदार की बेटी है। कहानी इन दोनों के इर्द-गिर्द ही घूमती है। पाखी के साथ धोखाधड़ी होती है। पाखी पीड़ित होने के बावजूद जालसाज के प्रति आकर्षित होने लगती है। इस खामोश प्रेम को दोनों महसूस करते हैं, लेकिन इस प्यार की कोई मंजिल नहीं है। यह गैर-परंपरागत प्रेमकथा होने के बावजूद दर्शकों पर गहरा असर छोड़ती है। *